

अमरीका की कूटनीति नहीं दादागिरी!

आज दुनिया में हर ओर युद्ध, तबाही और अराजकता का दौर है। विकास की गति रुक रही है। अनिश्चितता का वातावरण है। अनेक देशों के नेता ही मवालियों की तरह बर्ताव कर रहे हैं। जबकि विश्व के लोग हमेशा शांति और विकास चाहते हैं। इस उठा-पटक में अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प सबसे आगे हैं। ट्रम्प ही क्यों, अमरीका की तो फितरत ही रही है कि कोई बहाना ढूंढ कर कमजोर देशों को दबाना और उनके संसाधनों पर कब्जा करना।

हाल ही में सोशल मीडिया पर @sankofa360 से एक पोस्ट काफी वायरल हुई, जिसमें लिखा है कि "प्रिय दुनिया, क्या तुम अमरीका और उसके सहयोगियों द्वारा झूठ बोलने से थक नहीं गए हो? क्या तुम उस साम्राज्य से थक नहीं गए हो, जो खून और मौत की तलाश में नहीं रुकता? अमरीका या उसके सहयोगी कभी किसी बात पर सच्चे रहे हैं? दुनिया कब इनके झूठ से ऊब जाएगी? अब तो हमें पता होना चाहिए कि वैश्विक अशांति, मौत, अराजकता और विनाश के जिम्मेदार कौन हैं? जो दुनिया की स्थिरता के खिलाफ हैं? जो विश्व शांति के विचार से डरते हैं? तुम्हारी चुप्पी सहयोग है। अमरीका वैश्विक मुसीबत पैदा करने वाला है। मौत और विनाश की मशीन! अमरीकी साम्राज्य की तानाशाही के खिलाफ बोलो!!!!" यह पोस्ट न केवल अमरीका की ऐतिहासिक गलतियों को उजागर करती है बल्कि दुनिया को जगाने का प्रयास भी करती है। आज, जब हम वेनेजुएला, क्यूबा और ईरान जैसे देशों में अमरीकी हस्तक्षेप की नई लहर देख रहे हैं, यह स्पष्ट हो गया है कि अमरीका के फैसले गलत साबित हो चुके हैं। इन युद्धों ने न केवल लाखों जानें लीं, बल्कि दुनिया को अस्थिरता की ओर धकेला। अमरीका की इन गलतियों से यह पता चलता है कि वैश्विक समुदाय अब युद्धों से कितना ऊब चुका है? अमरीका की विदेश नीति का इतिहास झूठ, हस्तक्षेप और युद्धों से भरा पड़ा है। 1950 के दशक से शुरू करें तो कोरियाई युद्ध (1950-1953) में अमरीका ने उत्तर कोरिया के आक्रमण का बहाना बनाकर हस्तक्षेप किया लेकिन वास्तविकता यह थी कि यह शीत युद्ध की रणनीति का हिस्सा था। लाखों कोरियाई मारे गए लेकिन क्या अमरीका की जीत हुई? नहीं, यह युद्ध आज भी कोरियाई प्रायद्वीप पर तनाव का कारण बना हुआ है। इसी तरह, 1954 में ग्वाटेमाला में अमरीका ने लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को उखाड़ फेंका, क्योंकि वहां की भूमि सुधार नीतियां अमरीकी कंपनियों को पसंद नहीं आईं। ग्वाटेमाला आज भी गरीबी और हिंसा से जूझ रहा है। 1950-60 के दशक से अमरीका के झूठ की फेहरीस्त लंबी है। इंडोनेशिया (1958) में सी. आई. ए. ने विद्रोहियों को समर्थन दिया लेकिन असफल रहा। क्यूबा (1961) में 'बे ऑफ पियर्स' हमला एक बड़ी असफलता थी, जहां अमरीका ने फिदेल कास्त्रो को घटाने की कोशिश की लेकिन खुद की किरकिरी हुई। वियतनाम युद्ध (1961-1975) तो अमरीकी इतिहास का सबसे काला अध्याय है। अमरीका ने 'टोंकिन की खाड़ी घटना' (1965) में हस्तक्षेप शुरू किया, जो बाद में झूठ साबित हुआ। 58,000 अमरीकी सैनिक और लाखों वियतनामी मारे गए। अमरीका हारकर लौटा, और वियतनाम आज एक मजबूत अर्थव्यवस्था वाला देश है। लाओस (1964-1973) और कंबोडिया (1969-1970) में गुप्त बमबारी ने लाखों लोगों को मार डाला और खमेर रूज जैसे आतंक को जन्म दिया।

कान्गो (1964) में अमरीका ने वहां प्रधानमंत्री पेट्रिस लुमुम्बा की हत्या में भूमिका निभाई, जो अफ्रीका की आजादी के प्रतीक थे। डॉमिनिकन रिपब्लिक (1965) में हस्तक्षेप ने लोकतंत्र को कुचला। 1980 के दशक में भी यह सिलसिला जारी रहा। ग्रेनाडा (1983) में अमरीका ने मैडिकल छात्रों की सुरक्षा का बहाना बनाकर आक्रमण किया लेकिन यह छोटे देश पर साम्राज्यवादी कब्जा था। लेबनान (1983-1984) में अमरीकी सैनिकों की मौत हुई लेकिन कोई स्थायी शांति नहीं आई। लीबिया (1986) में गद्दाफी पर हमला, ईरान (1987-1988) में नैसैना संघर्ष, पनामा (1989) में नोरिएगा को हटाना-ये सभी फैसले अमरीका की ताकत दिखाने के लिए थे लेकिन उन्होंने क्षेत्रीय अस्थिरता बढ़ाई। इराक के खिलाफ 1991 का गल्फ वॉर, 1998 की बमबारी और 2003 का आक्रमण 'महाविनाश के हथियारों' के झूठ पर आधारित था। सद्दाम हुसैन को हटया गया लेकिन इराक आज भी अराजकता में डूबा है, आई. एस. आई. एस. जैसे समूह पैदा हुए।

11 मार्च : इतिहास के पन्नों में

- 1688 मुगल बादशाह औरंगजेब ने शिवाजी के पुत्र संभाजी को यातनाएं देकर मौत के घाट उतारा।
- 1881 कोलकाता टाउन हॉल में रामनाथ टैगोर की प्रतिमा लगाई गई।
- 1915 भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी विजय हजारे का जन्म।
- 1917 बगदाद पर ब्रिटिश फौजियों ने कब्जा किया।
- 1918 मास्को और रूस की राजधानी बनी थी।
- 1927 मैग्सेसे पुरस्कार विजेता भारतीय महिला चिकित्सक वी. शांता. का जन्म।
- 1948 देश के प्रथम पीत जल उषा का विशाखापट्टनम से जलावतरण।
- 1981 चिली में संविधान लागू हुआ था।
- 1935 बैंक ऑफ़ कनाडा का गठन किया गया था।
- 1990 संसद में मतदान के बाद लिथुआनिया ने खुद को सोवियत संघ से स्वतंत्र घोषित किया।
- 2006 यूनानी संसद में दाह संस्कार को अनुमति देने वाले कानून को बहुमत से पारित किया।
- 2008 अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने अपने यान एंडेवर को अपने अंतरिक्ष स्टेशन की ओर रवाना किया।
- 2011 भारत ने 350 किलोमीटर दूर तक निशाना साधने वाले प्रक्षेपास्त्र धनुष और पृथ्वी का सफल परीक्षण किया।



डॉ. प्रेमप्रकाश बोराना
संकलनकर्ता
इतिहासविद्, महारानी
लक्ष्मीबाई कन्या
उमावि सराफा, उज्जैन

दैनिक राघवकीर्ति

पश्चिम एशिया में रहते 1 करोड़ भारतीय जोखिम में



क्या पश्चिम एशिया में रहने वाले भारतीय सुरक्षित हैं? ईरान, इसराइल और अमरीका के बीच चल रहे झगड़े की वजह से पश्चिम एशिया में रहने वाले करीब 10 मिलियन भारतीय खतरे में हैं। इस स्थिति में मौतें हुई हैं, तेहरान से स्टूडेंट्स को निकालना पड़ा है और बड़े पैमाने पर चिंता पैदा हुई है। भारतीय दूतावास नागरिकों की मदद के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं लेकिन कुछ लोग अभी भी फंसे हुए हैं। यू.ए.ई., सऊदी अरब, कतर, कुवैत, ओमान और बहरीन जैसे देशों में मिसाल और ज़ेन की गतिविधियां हुई हैं, जिसकी वजह से एयरस्पेस बंद हो गया है और फ्लाइटें कैसिल हो गई हैं, जिससे कई भारतीय नागरिक फंस गए हैं। हालांकि कुछ लोगों के घायल होने की खबर है लेकिन बढ़ते तनाव की वजह से कई भारतीय घर के अंदर रह रहे हैं और सुरक्षा सावधानियां बरत रहे हैं। ईरान के हमलों से खाड़ी देश परेशान हैं। वे यू.ए.ई. की तरफ से संभावित जवाब के बारे में अंदाजा लगा रहे हैं, जिसने तेहरान से 'हेश' में आने' और यू.एस.-इसराइली ऑपरेशन में शामिल नहीं होने वाले देशों पर हमला करना बंद करने को कह है।

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, पश्चिम एशिया का झगड़ा भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए तुरंत खतरा नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने ओमान, कतर और कुवैत के नेताओं से बात की है, जिससे लड़ाई शुरू होने के बाद से उन्होंने जिन देशों के प्रमुखों से बात की है, उनकी कुल संख्या 8 हो गई है।

1,000 से ज्यादा नाविकों के साथ भारतीय झंडे वाले 37 जहाज फारस की खाड़ी, ओमान की खाड़ी और आसपास के पानी में फंसे हुए हैं। होर्मुज स्ट्रेट से होकर जाने वाला मुख्य शिपिंग रूट अमरीका, इसराइल और ईरान की सैन्य कार्रवाई की वजह से बंद है। कतर, जो भारत को लगभग दो-तिहाई एल.एन.जी. सप्लाई करता है, ने ज़ेन हमलों की वजह से प्रोडक्शन रोक दिया है, जिससे भारतीय कंपनियों को गैस सप्लाई में कटौती करनी पड़ी है। कच्चे तेल की कीमतें 65 डॉलर से बढ़कर 72-73 डॉलर प्रति बैरल से ज्यादा हो गई हैं और अगर लड़ाई जारी रहती है, तो और बढ़ने की संभावना है। अल जजीरा के मुताबिक, भारत सरकार के पास शॉर्ट-टर्म झटकों को मैनेज करने के लिए लगभग 8 हफ्ते (50-60 दिन) का फ्यूल स्टॉक है।

खबर है कि रूस ने खाड़ी में रुकावटों की भरपाई के लिए भारत को एनर्जी सप्लाई बढ़ाने का ऑफर दिया है।

भारत 'अनिश्चित स्थिति' में है, सांझीदारों पर हमलों की निंदा कर रहा है, साथ ही ईरान और इसराइल दोनों के साथ अपने रणनीतिक हितों की रक्षा के लिए संयम बरतने की अपील कर रहा है। इस इलाके में लगभग 10 मिलियन भारतीय हैं, जिनमें से 3.9 मिलियन से ज्यादा यू.ए.ई. में हैं, इसलिए लोगों को निकालना एक बड़ी चुनौती है। भारत सरकार सक्रियता स्थिति पर नजर रख रही है और अपने नागरिकों की सुरक्षा पक्की करने के लिए दूसरे देशों के साथ

तालमेल कर रही है। खाड़ी में जहाजों पर हाल के हमलों में भारतीय नागरिकों की दुखद मौत हुई है और नाविकों के लापता होने की खबरें आई हैं। पश्चिम एशिया में एयरस्पेस बंद होने की वजह से हजारों भारतीय टूरिस्ट, वर्कर और यात्री बुरी तरह फंस गए हैं। इस लड़ाई से विदेश में रहने वाले बड़े भारतीय समुदाय के समक्ष रोजी-रोटी के लिए बड़ी चुनौतियां खड़ी हो गई हैं। यह समुदाय भारत की इकॉनमी में अहम भूमिका निभाता है और 100 बिलियन डॉलर से ज्यादा भारत में वापस भेजता है। हमें इस मुश्किल समय का समझदारी से सामना करना होगा, खासकर तब, जब ये देश ईरानी ज़ेन और मिसाइलों के खतरों से जूझ रहे हैं, जो आखिर में हमारे नागरिकों के सबसे अच्छे हितों में काम करते हैं। सरकार ने कहा है कि पश्चिम एशिया में लड़ाई का बढना भारत के लिए 'बड़ी चिंता' का कारण है। उन्होंने भारतीयों की जान जाने की बुरी खबर की पुष्टि की और माना कि चल रही लड़ाई के बीच कुछ और लोग भी लापता हैं। विदेश मंत्रालय ने इस बात पर जोर दिया कि भारत अपने बड़े आर्थिक और रणनीतिक हितों को देखते हुए खाड़ी क्षेत्र में हो रहे घटनाक्रम पर करीब से नजर रखे हुए है। मंत्रालय ने स्थिति पर गहरी ड़्क्षचता जताई और संयम, तनाव कम करने और आम लोगों की सुरक्षा की अपनी अपील दोहराई। खाड़ी देशों में रहने और काम करने वाले करीब एक करोड़ भारतीय नागरिकों की सुरक्षा पक्की करना सरकार की सबसे

बड़ी प्राथमिकता है और इस इलाके में कूटनीतिक मिशन सामुदायिक समूहों के साथ मिलकर जरूरी सलाह और मदद दे रहे हैं। अच्छी बात यह है कि पश्चिम एशिया में मौजूदा लड़ाई से भारत की ऊर्जा सुरक्षा को तुरंत कोई खतरा नहीं है क्योंकि 25 दिनों तक चलने के लिए काफी कच्चा तेल और ईंधन का स्टॉक मौजूद है। फिर भी, खाड़ी देशों में बढ़ता तनाव, जो भारत के कच्चे तेल के इंपोर्ट का लगभग आधा हिस्सा है, चिंता की बात बना हुआ है।

पश्चिम एशिया में युद्ध के बिगड़ने के साथ सरकार एक लंबे और मुश्किल संकट के लिए तैयारी कर रही है। वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि नई दिल्ली तुरंत कार्रवाई और लंबे समय की रणनीति के लिए तैयारी कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि खाड़ी में हमारे लोग, तेल व्यापार की संभावनाएं और बड़े सुरक्षा हित दाव पर हैं। सरकार अपने कूटनीतिक रुख के लिए विपक्षी नेताओं की आलोचना का सामना कर रही है। उसने ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या पर शोक व्यक्त नहीं करने का फैसला किया। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने सवाल उठाया है कि सरकार इस मुद्दे पर चुप क्यों है? भारत पश्चिम एशिया में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति को लेकर बहुत चिंतित है। ईरान और खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते संघर्ष से क्षेत्रीय स्थिरता, भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और ऊर्जा आपूर्ति शृंखला को खतरा हो सकता है।

तलाक की पहल करती लड़कियां

हाल ही में बाजार में एक लड़की से मुलाकात हुई। उसकी 3-4 महीने पहले ही शादी हुई थी। उसकी शादी का निर्मंत्रण भी आया था, लेकिन देश में न होने के कारण जा नहीं सकी थी। लौट कर शगुन देने जरूर उसके माता-पिता के घर गई थी। उससे बातें होने लगीं। पूछा कि उसके पति और ससुराल वाले ठीक हैं? वह खामोश हो गई। फिर बोली-ठीक ही होंगें। उसकी प्रतिक्रिया से थोड़ी-सी हैरानी हुई। कुछ पूछती, उससे पहले बोली-आंटी मैं अब वहां नहीं रहना चाहती। हमारी शादी नहीं चली। इससे आगे कुछ नहीं पूछा। क्यों नहीं चली, क्या हुआ, यह पूछने का भी कोई फायदा नहीं था। यूं भी किसी के जीवन में क्या गुजरी, उसे खोद-खोदकर नहीं पूछना चाहिए, लेकिन लौटते हुए लगातार सोचती भी रही कि आखिर ऐसा क्या हुआ कि जिस विवाह में घर वालों का लाखों रुपया और मेहनत लगी होगी, वह कुछ महीने भी नहीं चला। विवाह से पहले लड़का और लड़की मिले भी होंगें। एक-दूसरे को समझने की कोशिश भी की होगी। इस तरह की खबरें आजकल खूब आती भी हैं। कई बार तो लड़कियां किसी बात पर नाराज होकर बारात लौटा देती हैं।

कुछ अपने मनसपंद लड़के से विवाह न होने के कारण शादी के दो-चार दिन में ही अपने पुरुष मित्र के साथ चली जाती हैं। पिछले ही दिनों नैशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के एक अध्ययन की रिपोर्ट प्रकाशित हुई थी। उसमें बताया गया था कि दो दशक पहले जहां भारत में 0.6 प्रतिशत महिलाएं तलाकशुदा थीं, अब उनकी संख्या 1 प्रतिशत हो गई है। इसी तरह पुणे में हुए एक अध्ययन में बताया गया कि पहले पुरुष तलाक के मामलों में पहल करते थे। 1986-87 में तलाक के कुल मामले 849 थे। इनमें से 570 पुरुषों द्वारा दायर किए गए थे। यानी कि 68 प्रतिशत। लेकिन अब महिलाएं बड़ी संख्या में इसकी पहल कर रही हैं। यह आंकड़ा 98 प्रतिशत तक जा पहुंचा है।

इसका एक बड़ा कारण यह है कि पढ़ी-लिखी महिलाएं जागरूक हैं। वे अपने कानूनी अधिकारों को भी बाक्वूबी समझती हैं। तलाक के कारणों में प्रमुख हैं-घरेलू ड़्क्षहसा, क़रूरता, व्यभिचार, आए दिन होने वाले झगड़े, मानसिक बीमारी, यौन समस्याएं, धोखा, धार्मिक मतभेद आदि। तलाक के मामलों में महाराष्ट्र सबसे पहले है। उसके बाद कर्नाटक, पश्चिम बंगाल आदि का नम्बर आता है। यदि दुनिया की बात करें, तो सबसे अधिक तलाक मालदीवज में होते हैं। अपने देश में तलाक लेने वाले स्त्री-पुरुषों की उम्र प्रायः 31 और 36 साल होती है। मुम्बई की एक परिवार अदालत ने अपने अध्ययन में पाया था कि अधिकतर शादियां शादी के 3 साल बाद ही टूट जाती हैं। तलाक मांगने वाली अधिकांश



महिलाओं की उम्र 34-35 साल की होती है।

यदि इन आंकड़ों पर ध्यान दें, तो कई बातें सामने आती हैं। जिस उम्र के स्त्री-पुरुष तलाक मांग रहे हैं, उनमें उनकी संख्या ही सबसे ज्यादा है, जिन्हें आप जेन जी के नाम से पुकारते हैं। यह 'जेन जी' भूमंडलीकरण और तकनीकी क्रांति के बीच अपने देश में जन्मी है। पढ़ी-लिखी है। हाथ में मोबाइल और सामने कम्प्यूटर होने के कारण, देश-दुनिया में जो कुछ हो रहा है, उसे अच्छी तरह से जानती है। यूं भी लड़कियों की पहली प्राथमिकता अब विवाह नहीं रहा। वे पढ़-लिखकर आत्मनिर्भर होना चाहती हैं। कई साल अपनी आर्थिक स्वतंत्रता का आनंद लेना चाहती हैं। इसके बाद ही अगर चाहें, तो विवाह के बारे में सोचती हैं। यदि वह लेखिका अपनी दादी-नानी के बारे में सोचे तो, लड़कियों की यह तस्वीर वह है, जिसकी कल्पना भी वे नहीं कर सकती थीं। उनका जीवन तो देहरी के भीतर ही खत्म हो जाता था। आज के दौर की लड़की को भी यदि उसी पुराने चश्मे से देखा जाएगा, जहां स्त्रियों को घुड़्री में पिलाया जाता था कि जिस घर में डोली जाए, वहीं से अर्थो उठे, तो कहना चाहिए कि इस पुरानी छवि और तस्वीर से इस लड़की को नहीं समझा जा सकता।

न जाने क्यों ऐसा है कि अब भी बहु की परिकल्पना हमारे समाज में इस तरह की है कि जैसे ही वह ससुराल में कदम रखेगी, सारी जिम्मेदारी उसके सिर पर आ जाएगी। वही घर के सारे काम निपटाएगी। जो पैसे कमा कर लाएगी,

वह पति या ससुराल वालों के हाथों सौंप देगी। अपनी किसी भी इच्छा को पूरी करने के बारे में बात तक नहीं करेगी। सबकी खरी-खोटी सुनेगी, मगर उफ नहीं करेगी। तरह-तरह के अपमान और गाली-गलौच को भी मुक्कुराकर सहेंगी। या फिल्में में मीना कुमारी की तरह आंसू बहाएगी। सब कुछ सहते हुए भी घर को छोड़ने के बारे में सोचेगी तक नहीं। यही कारण है कि लड़कियां तलाक की पहल कर रही हैं। यदि बहु की यह परिकल्पना है, तो ऐसी शादी टूटने के लिए अभिशप्त है। क्योंकि बहु का मतलब ऐसा कोई रॉबोट नहीं है, जो बिना किसी रिक्शन के सब कुछ करती रहे। आखिर किसी भी शादी को चलाने की जिम्मेदारी लड़की के कंधों पर ही क्यों होनी चाहिए? सुसराल वालों को उसे किसी ऐसी इकाई की तरह क्यों देkhना चाहिए, कि वह बस सबकी सहने के लिए बनी है। कोई भी रिश्ता एकतरफा नहीं होता। वह दोनों ही तरफ से चल सकता है।

आज का मन्त्र

ॐ शीतलारे नमः

श्रद्धालु यथाशक्ति जप करें एवं लाभ प्राप्त करें।

विशेष परामर्श के लिए सम्पर्क करें।

आचार्य राघवकीर्ति गणेश

मो. 9755910000

॥ जय गणेश ॥



दैनिक राशिफल



मे़ष : रिश्तों के लिहाज़ से दिन अच्छा है । किसी काम में मदद की जरूरत पड़ेगी और वह समय पर मिल भी जाएगी।



वृषभ : यदि आप दाम्पत्य जीवन में सामंजस्य बनाकर चलेंगे तो परिवार और भाई-बहनों का पूरा सहयोग मिलेगा।



मिथुन : आज का दिन आपके लिए खास अनुभव लेकर आएगा। संतान की संगति पर ध्यान देना जरूरी रहेगा, ताकि वे सही दिशा में आगे बढ़ें।



कर्क : घूमने-फिरने की योजना बन सकती है, जिससे मन को ताज़गी मिलेगी।



सिंह : यात्रा या घूमने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है, जो भविष्य में काम आएगी।



कन्या : व्यापार में बदलाव करने का विचार भी बन सकता है। सामाजिक गतिविधियों में आपकी सक्रियता बढ़ेगी।



तुला : आप लोगों से जुड़ने में रुचि लेंगे। कामकाज में थोड़ी सावधानी जरूरी है और ग़ुस्से पर नियंत्रण रखना आज सबसे बड़ी सीख साबित होगा।



वृश्चिक : आज आपके दिल की कोई इच्छा पूरी हो सकती है, जिससे मन में संतोष और खुशी दोनों महसूस होंगे।



धनु : आप जीवनसाथी के लिए कोई खास उपहार लेकर उनके चेहरे पर मुस्कान लाने की कोशिश करेंगे।



मकर : कार्यक्षेत्र में यदि कोई समस्या चल रही है तो वरिष्ठों से खुलकर बातचीत करना आपके लिए लाभदायक रहेगा।



कुंभ : माता-पिता की सेवा में समय देना आपको आत्मिक संतुष्टि देगा। व्यापार को विस्तार देने की कोशिश तेज़ होगी।



मीन : आज का दिन सामान्य लेकिन संतुलित रहेगा। आप किसी नए काम की शुरुआत का विचार कर सकते हैं।

आचार्य राघवकीर्ति 'गणेश'

(ज्योतिष-वास्तु-यज्ञकर्ता और आध्यात्मिक विषय प्रवर्तक)

9755910000

www.jyotishvastu.com

सदावल में निर्माणाधीन हेलीपैड पर लैंड हो सकेंगे चार हेलीकॉप्टर

कलेक्टर सिंह ने सिंहस्थ 2028 के लिए किए जा रहे अधोसंरचना विकास कार्यों का औचक निरीक्षण किया



नए फोरलेन निर्माण से सिंहस्थ क्षेत्र में आने-जाने में सुविधा मिलेगी

उज्जैन (राधवकीर्ति)। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह द्वारा सिंहस्थ महापर्व के लिए विभिन्न विभागों के माध्यम से प्रगतिरत अधोसंरचना विकास कार्यों का औचक निरीक्षण मंगलवार को किया गया। कलेक्टर

श्री सिंह ने निरीक्षण के दौरान सदावल में हेलीपैड निर्माण के साथ ही सिंहस्थ के लिए महत्वपूर्ण सड़क निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने निर्माण कार्य कराने वाले संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्माणाधीन विकास कार्यों की गुणवत्ता एवं समय-सीमा का विशेष ध्यान रखते हुए उन्हें शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। मंगलवार को

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने निरीक्षण के दौरान मध्यप्रदेश बिल्डिंग डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन द्वारा राजस्व विभाग के लिए निर्मित किए जा रहे आवासीय क्वार्टर्स का निरीक्षण किया। कलेक्टर श्री सिंह ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए तथा गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए। उक्त परियोजना के

अंतर्गत विभिन्न श्रेणियों के आवासीय क्वार्टर्स का निर्माण किया जा रहा है, जिनमें ई-प्रकार के 10, एफ-प्रकार के 14, जी- प्रकार के 20, एच-प्रकार के 13 तथा आई-प्रकार के 10 क्वार्टर्स शामिल हैं। कलेक्टर श्री सिंह द्वारा सदावल क्षेत्र में निर्माणाधीन हेलीपैड के कार्यों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान श्री सिंह ने निर्देश दिए कि हेलीपैड से संबंधित एप्रोच रोड का

कार्य शीघ्र पूर्ण किया जाए तथा परिसर में विकसित किए जा रहे लाउज का कार्य भी पूर्ण करना सुनिश्चित किया जाए। साथ ही संबंधित विभाग को वीआईपी एवं वीवीआईपी मूवमेंट के लिए समुचित सकुलेशन प्लान तैयार कर आगामी बैठक में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान बताया गया कि लोक निर्माण विभाग द्वारा सदावल हेलीपैड के साथ

सुव्यवस्थित लाउज का निर्माण कार्य भी प्रगतिरत है। इसके बाद कलेक्टर श्री सिंह ने लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्मित की जा रही फोरलेन सड़कों का भी निरीक्षण किया। इन मार्गों में श्री रणजीत हनुमान मंदिर से मौजमखेड़ी तथा कालभैरव से मौजमखेड़ी मार्ग शामिल हैं। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि सीमेंट, कंक्रीट कार्य करने के दौरान यातायात व्यवस्था को ध्यान में

रखते हुए रात्रि के समय किया जाए तथा निर्माण कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। कलेक्टर श्री सिंह ने श्री रणजीत हनुमान मंदिर मार्ग पर निर्माणाधीन पुल और फोरलेन मार्ग निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने यह भी निर्देश दिए कि सिंहस्थ 2028 के लिए विकास कार्यों को कराने वाले

सभी संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर जंक्शनों की उचित एवं सुव्यवस्थित योजना तैयार की जाए। निरीक्षण के दौरान यह भी अवगत कराया गया कि लोक निर्माण विभाग (सिंहस्थ) द्वारा रणजीत हनुमान से सिंहस्थ बाईपास तक गोसा मार्ग से होते हुए फोरलेन सड़क का निर्माण कार्य भी प्रगतिरत है। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री सिंह ने विभिन्न मामलों में जनसुनवाई की

उज्जैन (राधवकीर्ति)। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने मंगलवार को प्रशासनिक संकुल भवन के सभाकक्ष में विभिन्न मामलों में जनसुनवाई करते हुए प्रकरणों का समयसीमा में निराकरण करने के निर्देश अधीनस्थ अधिकारियों को दिए।

माकडौन के ग्राम औरंगपुर निवासी इंदरसिंह ने आवेदन दिया कि गांव में पीएम आवास योजना के ब्लाक समन्वयक द्वारा योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को लाभ नहीं दिया जा रहा है तथा योजना के क्रियान्वयन में अनियमितता बरती जा रही है। इस पर तहसीलदार माकडौन को मामले की जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

घटिया तहसील के ग्राम कलेसर निवासी गजराजसिंह ने आवेदन दिया कि उनके और उनके भाई के बीच पैतृक आवासीय भूखंड का बराबर का हिस्सा होना था लेकिन भूखंड के डोन सर्वे के दौरान भूखंड का लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा उनके भाई के नाम कर दिया गया है। इस प्रकार भूखंड के डोन सर्वे में पटवारी द्वारा लापरवाही बरती गई है।



एसडीएम घटिया को उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। तराना निवासी लाखनसिंह चौहान ने आवेदन दिया कि उनके द्वारा भवन के निर्माण के लिए एक संस्थान से सामान खरीदा गया था। जो कि निर्धारित गुणवत्ता के अनुसार नहीं है। संस्थान द्वारा उन्हें उपलब्ध कराए गए सामान में धोखाधड़ी की

गई है तथा विरोध करने पर उनके साथ अभद्र व्यवहार किया गया है। इस पर एसपी उज्जैन को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। उज्जैन के गांव पिपिलियाबीछ निवासी छगनलाल ने आवेदन दिया कि वे गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करते हैं। उन्हें मकान निर्माण के लिए आवासीय भूखंड का पट्टा

प्राप्त हुआ था परंतु एक व्यक्ति के द्वारा उनके स्वामित्व के भूखंड को छलपूर्वक एक अन्य व्यक्ति के नाम करवा लिया गया है तथा भूखंड पर अवैध रूप से कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है। इस पर तहसीलदार उज्जैन को मामले की जांच का आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

घटिया तहसील के ग्राम बिछोड खालसा निवासी रहमान खान ने आवेदन दिया कि उनके स्वामित्व की कृषि भूमि का रकबा राजस्व अभिलेख में त्रुटिवाश कम कर दर्ज किया गया था। इस त्रुटि को सुधारने के लिए उनके द्वारा पूर्व में आवेदन दिया गया था परंतु आज दिनांक तक इस पर कार्यवाही नहीं हो पाई है। कलेक्टर श्री सिंह ने इस पर एसडीएम घटिया को जांच कर शीघ्र कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

खाचरीद की ग्राम पंचायत बेडवान के सरपंच मोहनलाल गाजी ने आवेदन दिया कि ग्राम पंचायत सचिव पंचायत मुख्यालय पर लगातार अनुपस्थित रहते हैं। जिस कारण से गांव में होने वाले निर्माण कार्य नहीं हो पा रहे हैं। साथ ही मजदूरों का भुगतान भी समय पर नहीं हो पा रहा है। इस पर सीईओ जनपद पंचायत खाचरीद को प्रकरण में जांच कर उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

इसी प्रकार सीईओ जिला पंचायत श्रेयांस कूमट, अपर कलेक्टर शाक्यत शर्मा एवं अन्य अधिकारियों द्वारा अन्य मामलों में जनसुनवाई की गई।

एक दिवसीय युवा संगम और स्वरोजगार मेले का आयोजन आज होगा

उज्जैन (राधवकीर्ति)। प्रभारी जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि मध्यप्रदेश शासन के युवा संगम कार्यक्रम के अंतर्गत जिला रोजगार कार्यालय, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र व शासकीय आई.टी.आई. संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में 11 मार्च बुधवार को प्रातः 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (ITI) मकसी रोड ब्रिज के नीचे में एक दिवसीय युवा संगम मेला, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेला का आयोजन किया जाएगा। इस रोजगार मेले में कई प्रतिष्ठित कम्पनीयों जैसे, बोकेम हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड उज्जैन, न्यू जील फैशन वियर प्राइवेट लिमिटेड बदनावर, आइसेकट लिमिटेड, एसबीआई लाइफ उज्जैन, भारतीय जीवन बीमा निगम उज्जैन, स्वतंत्र माइक्रोफिन प्राइवेट लिमिटेड उज्जैन, टी.एस.सी.एफ. एम. सेज फाउंडेशन इन्दौर, प्रतिभा स्वराज प्रा.लि. उज्जैन, पुश्ताज हेल्थ केयर प्राइवेट लिमिटेड, इन्दौर, बेस्ट लाइफस्टाइल अपैरल प्राइवेट लिमिटेड उज्जैन, फ्रीडम एम्प्लॉयबिलिटी एकेडमी न्यू दिल्ली आदि के लगभग 280 से अधिक विभिन्न पदों जैसे सेल्स एक्जिक्यूटिव, टेक्नीशियन, ट्रेनर, सैल्स, टीम लीडर, बैंक ऑफिस, सुरक्षा गार्ड, ऑपरेटर, हेल्पर, ऑफिस बॉय आदि पदों के लिए आकर्षक बेटन पर रोजगार प्रदान करने हेतु कम्पनियों के प्रतिनिधि आवेदकों के साक्षात्कार लेकर प्रारम्भिक रूप

जैव संवर्धित परियोजना के अंतर्गत किसानों का जागरूकता कार्यक्रम आयोजित



उज्जैन (राधवकीर्ति)। जैव संवर्धित परियोजना अंतर्गत केन्द्र द्वारा 50 कृषक खेतों पर प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इसी कड़ी में गत दिवस डॉ. ए. के. दीक्षित, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख के मागदर्शन में प्रक्षेत्र दिवस का भव्य कार्यक्रम ग्राम उमरनी तहसील खाचरीद में श्रीमती गंगाबाई के प्रदर्शन प्रक्षेत्र पर कृषकों को जागरूक करने की दृष्टिकोण से कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसके अंतर्गत डॉ. सविता कुमारी द्वारा उपस्थित कृषकों को जैव संवर्धित प्रजातियों के महत्व एवं कुपोषण उन्मूलन में महती योगदान के प्रति जागरूक किया।

डॉ. एच.आर.जाटव द्वारा कृषकों को जैव संवर्धित

प्रजातियों के उत्पादन तकनीक पर जानकारी दी जिससे लघु एवं सीमांत कृषकों को उत्पादन में आसानी प्राप्त हो सके।

डॉ. ए. के. दीक्षित द्वारा भारत सरकार के खाद्यान सुरक्षा के साथ-साथ पोषण सुरक्षा अंतर्गत विभिन्न फसलों के जैव संवर्धित प्रजातियों के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही यह भी अवगत कराया गया कि देश में लगभग 100 से अधिक दलहन, तिलहन खाद्यान, सब्जी आदि फसलों के प्रजातियों को विकसित किया जा चुका है, जिसे अपनाने की आवश्यकता है। कार्यक्रम अंतर्गत कुल 44 कृषक प्रतिभागियों द्वारा भागीदारी की गयी।

किसान कल्याण वर्ष 2026

ग्राम जमालखेडा में प्रक्षेत्र दिवस पर कार्यक्रम आयोजित



उज्जैन (राधवकीर्ति)। राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन अंतर्गत कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा 12 कृषकों के खेतों पर प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में गत दिवस डॉ. ए. के. दीक्षित, प्रधान वैज्ञानिक राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के मागदर्शन में प्रक्षेत्र दिवस का भव्य कार्यक्रम ग्राम जमालखेडा तहसील उज्जैन में नरेन्द्र आंजना के प्रदर्शन प्रक्षेत्र पर आयोजित किया गया। जिसके अंतर्गत डॉ. सविता

कुमारी द्वारा उपस्थित कृषकों को प्राकृतिक खेती के महत्व एवं मृदा स्वास्थ्य अंतर्गत कार्बनिक द्रव्य के संरक्षण के लिए जानकारी दी गयी, जिससे गुणवत्तायुक्त उत्पाद के माध्यम से स्वस्थ समाज का निर्माण संभव हो सके।

साथ ही प्राकृतिक संपदाओं का उपयोग करते हुए खेती को एक नई दिशा प्रदान हो सके। डॉ. एच.आर.जाटव द्वारा कृषकों को जैविक खेती के महत्व पर जानकारी

दी गयी। साथ ही जैविक संसाधनों के उपयोग पर भी जोर दिया गया।

डॉ. ए.के. दीक्षित द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन पर जानकारी देते हुये नरवाई जलाने से बचने का सुझाव दिया गया। जिससे पर्यावरण प्रदूषण से बचाव किया जाकर कानन की मात्रा खेतों में संरक्षित हो सके। कार्यक्रम अंतर्गत कुल 40 कृषक प्रतिभागियों द्वारा भागीदारी की गई। कार्यक्रम में नरेन्द्र आंजना एवं यश पटेल की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

पीएम राहत योजना एवं राहवीर योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया

उज्जैन (राधवकीर्ति)। राहवीर योजना एवं पीएम राहत योजना (सड़क दुर्घटना पीडित के लिए नकदीरहित उपचार योजना) के सफल क्रियान्वयन के लिए निजी अस्पताल प्रबंधकों के लिए जिला स्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन 9 मार्च का श्रीमान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला उज्जैन डॉ. अशोक कुमार पटेल के निर्देशन में कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला उज्जैन में किया गया। प्रशिक्षण डॉ. सुनीता परमार जिला महामारी नियंत्रण अधिकारी, विपिन महावर डी आई ओ., डॉ. शिव मेन्या नोडल अधिकारी पी.एम. राहत एवं राहवीर योजना, सत्री यादव डी आई एम, लालसिंह राठीड आयुष्मान कोऑर्डिनेटर के द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण में अलग-अलग निजी अस्पतालों के 30 प्रतिनिधियों को राहवीर योजना के तहत गोलडन आर में दुर्घटना पीडितों को नजदीकी अस्पताल में पहुंचाने वाले व्यक्ति व्यक्तियों को राहवीर नामांकित करने की प्रक्रिया को विस्तृत रूप से समझाया गया। साथ ही पीएम राहत योजना के तहत दुर्घटना पीडितों को उपचार प्रदान करने के दौरान योजना



के अंतर्गत ट्रांसैक्शन मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से उपचार राशि के लिये दुर्घटना पीडितों का पंजीयन करना तथा योजना से जुड़े समस्त नियमों की विस्तृत जानकारी दी गई।

राहवीर योजना के तहत सड़क दुर्घटना पीडितों को गोलडन आर (दुर्घटना से एक घंटे के अंदर) नजदीकी अस्पताल पहुंचाने वाले व्यक्ति को शासन द्वारा रुपये 25000 का इनाम दिया जाता है। पीएम राहत

योजना के अंतर्गत दुर्घटना पीडित को योजना के तहत पंजीकृत अस्पतालों में दुर्घटना की तिथि से 7 दिवस की

अवधि तक रुपये 15 लाख तक का नकदीरहित उपचार उपलब्ध कराया जाता है।

11 मार्च को मकान जन गणना सम्बन्धी प्रशिक्षण आयोजित होगी

उज्जैन (राधवकीर्ति)। अपर कलेक्टर एवं नोडल अधिकारी जिला जनगणना शाश्वत शर्मा ने बताया कि जनगणना 2027 के अंतर्गत जिला / चार्ज स्तरीय अधिकारियों के प्रशिक्षण के द्वितीय चरण में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम बुधवार 11 मार्च को समय प्रातः 10.30 बजे से सायं 05.00 बजे सभागृह सिंहस्थ मेला कार्यालय फर्स्ट फ्लोर कोठी रोड में आयोजित किया जाएगा।

लेपटाप का कीबोर्ड हुआ जाम? सर्विस सेंटर की भागदौड़ से बचें, ये 5 स्मार्ट ट्रिक्स आएंगी काम

अगर आपके लैपटॉप का कीबोर्ड काम नहीं कर रहा है, तो सर्विस सेंटर जाने से पहले कुछ घरेलू ट्रिक्स आजमाएं। लैपटॉप रीस्टार्ट करने, कीबोर्ड ड्राइवर अपडेट करने और बैटरी चेक करने जैसे आसान तरीकों से आप इस समस्या को घर बैठे ही ठीक कर सकते हैं।

आजकल ज्यादातर लोग ऑफिस वर्क और फिर पर्सनल काम के लिए लैपटॉप या डेस्कटॉप का इस्तेमाल जरूर करते हैं। वैसे भी यह हमारी लाइफ का जरूरी हिस्सा बन गया है। आप चाहे तो ऑफिस का काम हो या बच्चों की पढ़ाई हो, टिकट बुक करना हो या फिर मूवी ही देखना हो तो, लोग अपने लैपटॉप की जरूरत पड़ती ही है। बिना इसके कोई काम नहीं हो पाता है।

अक्सर होता है कि लैपटॉप पर काम करते-करते कीबोर्ड अचानक काम करना बंद कर देता है। यदि आपके सामने भी ये पेशानी आती है तो आप सर्विस सेंटर जाने से पहले घर पर ही बैठकर कीबोर्ड को कुछ खास ट्रिक्स से ठीक किया जा सकता है। आइए आपको इन ट्रिक्स के बारे में बताते हैं।

लैपटॉप को एक बार रीस्टार्ट करें

अक्सर होता है कि कीबोर्ड की दिक्कत केवल सॉफ्टवेयर की वजह से होती है। ऐसे में आप लैपटॉप को एक बार रीस्टार्ट करके ऑन करें। ऐसा करने से समस्या अपने आप ठीक हो जाती है। ये सबसे आसान तरीका है।

बैटरी को जरूर चेक करें

अधिकतर लैपटॉप में कीबोर्ड में नीचे ही बैटरी लगी होती है। जब बैटरी फूल जाती है, तो कीबोर्ड काम करना बंद ही कर देता है। इसे चेक करने के लिए आप सबसे पहले बैटरी निकालकर लैपटॉप को चार्ज पर लगाकर ऑन करें। यदि कीबोर्ड काम कर रहा है तो इसका मतलब है कि दिक्कत कीबोर्ड में नहीं बल्कि बैटरी में है।

कीबोर्ड को ठीक से साफ करें

ताजी मटर को छीलने के बाद हफ्ते-भर तक फ्रेश कैसे रखें? ये तरीके आएंगे काम

ताजी मटर को छीलने के बाद हफ्ते-भर तक फ्रेश रखना चाहते हैं तो एयरटाइट कंटेनर और तेल लगाने जैसे आसान तरीके अपनाएं। जानें ये घरेलू नुस्खे जो मटर की मिठास और नमी को बरकरार रखकर उन्हें सूखने और खराब होने से बचावेंगे।



ताजी मटर खाने का स्वाद बढ़ा ही टेस्टी होता है, लेकिन इसको छीलना भी थका देने वाला काम है। कई बार होता है कि हम सभी समय बचाने के लिए एक साथ बहुत सारी मटर छील कर रख देते हैं, लेकिन समस्या तब आती है जब एक-दो बाद ही वे सूखने या उनमें अंकुर भी निकलने लगते हैं। यदि गलती से इन्हें एक-दो के लिए छोड़ दिया जाए, तो यह खराब होने लगते है। मटर की मिठास और ताजगी बरकरार रखने के लिए इसे सही तरीके से स्टोर करना काफी जरूरी है।

यदि आप मटर को नमी और हवा से बचाकर रखा जाए, तो वह लंबे समय तक नरम बनी रहती हैं। इस लेख में हम आपको कुछ आसान घरेलू तरीकों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे अपनाकर आप छिली हुई मटर को हफ्ते-भर तक फ्रेश स्टोर कर सकती हैं।

मटर को स्टोर करने का बेस्ट तरीका क्या है?

मटर को फ्रेश बनाए रखने के लिए सबसे आसान तरीका है एयरटाइट कंटेनर या जिप-लॉक बैग का यूज कर सकते हैं। इसके लिए मटर छीलने के बाद, उन्हें धोएं नहीं। यदि आप ऐसा करती हैं, नमी के कारण ये जल्दी खराब हो सकती हैं। यदि आप मटर को धो चुकी हैं, तो आप एक सूती कपड़े पर फैलाकर पूरी तरह सुखा लें। इसके बाद इसमें एक एयर टाइट डिब्बे में नीचे टिश्यू पेपर बिछाएं, मटर डालें और ऊपर से भी एक टिश्यू पेपर रखकर ढक्कन बंद कर दें।

मटर को स्टोर करने के लिए अपनाएं तेल वाला नुस्खा

अगर आप चाहते हैं कि आपकी हरी मटर बिल्कुल भी

कीबोर्ड में धूल, मिट्टी जमना एक आम बात है, लेकिन इस वजह से कई बार बटन ठीक से काम नहीं करता है। इसके लिए आप हल्के हाथ से ब्रश, एयर ब्लोअर या सूखे कपड़े से कीबोर्ड को सबसे पहले साफ करें। अगर आप क्लीन करेंगे तो इससे आपकी समस्या दूर हो जाएगी।

कीबोर्ड ड्राइवर चेक करें

स्टार्ट मेनू में जाएं डिवाइस मैनेजर खोलें और वहां कीबोर्ड से जुड़े विकल्प को देखें। यदि

कीबोर्ड के सामने पीले रंग का निशान दिखाई दे, तो इसका अर्थ है कि ड्राइवर में समस्या है। ऐसे में कीबोर्ड ड्राइवर को हटाकर लैपटॉप को रीस्टार्ट करें। सिस्टम दोबारा चालू होने पर ड्राइवर अपने-आप फिर से इंस्टॉल हो जाएगा।

एक्सटर्नल कीबोर्ड लगाकर टेस्ट करें

इसके अलावा, आप स्कू कीबोर्ड लगाकर

भी देख सकते हैं। यदि बाहर का कीबोर्ड सही चल रहा है, तो मतलब लैपटॉप के अंदर वाले कीबोर्ड में ही दिक्कत है। जो भी समस्या होगी आपको पता चल जाएगी।

कीबोर्ड सेटिंग्स भी चेक करें

जब कीबोर्ड की लैंग्वेज सेटिंग्स बदलने पर भी कीबोर्ड सही तरह से काम नहीं कर पाता है। इसके लिए आप सेटिंग्स में जाकर चेक जरूर करें।

आयुर्वेद का शक्तिशाली त्रिवेणी संयोजन, जो रखे आपकी मेंटल हेल्थ का ख्याल



आजकल हम सब अपने मेंटल हेल्थ को लेकर काफी परेशान रहते हैं। कभी ओवरथिंकिंग, कभी बेचैनी, कभी याददाश्त कमजोर लगना जैसी छोटी-छोटी चीजें हमारे रोजमरां के काम और मूड को प्रभावित कर देती हैं। आयुर्वेद में इसे अलग नजरिए से देखा जाता है और इसके लिए एक खास त्रिवेणी संयोजन भी बताया गया है। आयुर्वेद में दिमाग को सिर्फ सोचने का अंग नहीं माना गया, बल्कि इसे मन, बुद्धि और स्मृति का केंद्र माना गया है। जब इन सब में असंतुलन आता है, तो दिमाग का काम ठीक से नहीं होता। ऐसे में आयुर्वेद का एक खास त्रिवेणी संयोजन, यानी वचा, ब्राह्मी और शंखपुष्पी काम आता है। वचा दिमाग के रास्ते को साफ करती है। यह जड़ता और सुस्ती को दूर करने में मदद करती है, जिससे हम थोड़ा जागरूक और चुस्त महसूस करते हैं। ब्राह्मी पूरी तरह से पोषण और शक्ति देती है। इसका असर धीरे-धीरे होता है, लेकिन लंबे समय तक दिमाग को मजबूत बनाता है। शंखपुष्पी मन को शांति देती है। जब बेचैनी या नींद में खलल हो, तो यह उसे संतुलित कर देती है। तीनों मिलकर ऐसा संतुलन बनाते हैं कि दिमाग तेज भी रहता है और शांत भी। इनको एक साथ लेना जरूरी है, लेकिन सही

समय और सही मात्रा में। उदाहरण के लिए, सुबह वचा कम मात्रा में लेना चाहिए और ब्राह्मी और शंखपुष्पी शाम या रात को। ऐसा करने से यह संयोजन दिमाग को उत्तेजित या शांत करने की बजाय सही तरीके से संतुलित करता है। इससे फोकस बढ़ता है, स्मृति मजबूत होती है और मन हल्का महसूस करता है। अगर आप मानसिक दबाव, पढ़ाई, काम या बस रोजमरां की बेचैनी से परेशान हैं, तो यह संयोजन बहुत मददगार साबित हो सकता है। लेकिन, ध्यान रखें, किसी भी आयुर्वेदिक दवा की तरह इसे भी सही मात्रा, सही व्यक्ति और सही समय के अनुसार ही लेना चाहिए। ब्लड प्रेशर, थायरॉयड या अन्य दवाइयां चल रही हों तो पहले वैद्य से सलाह लेना जरूरी है। अगर आप चाहते हैं कि आपका दिमाग तेज भी रहे और मन शांत भी, तो वचा, ब्राह्मी और शंखपुष्पी का यह आयुर्वेदिक त्रिवेणी संयोजन आजमा सकते हैं। यह सिर्फ दिमाग की क्षमता बढ़ाने वाला नहीं, बल्कि मानसिक संतुलन और शांति देने वाला भी है। सही मात्रा और सही समय के साथ इसे अपनाकर आप अपने दिमाग का पूरा ख्याल रख सकते हैं।

डेली ट्रैवल से बिगड़ रही है स्किन? अपनाएं ये आसान स्किनकेयर रूटीन

अमूमन हम स्किन की टैनिंग या डलनेस को ट्रैवल से जोड़कर देखते हैं। लेकिन इसका प्रभाव सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं होता है, बल्कि इससे पिंपल्स से लेकर अनइवन स्किन टोन और स्किन एजिंग की समस्याएं भी बढ़ सकती हैं। इसलिए, यह बेहद जरूरी है कि आप अपनी स्किन का बेहतर तरीके से ख्याल रखें।

हर दिन सुबह उठते ही भागदौड़ शुरू हो जाती है। टाइम से ऑफिस पहुंचने के लिए हम सभी बस से लेकर मेट्रो, कैब या बाइक से हर रोज सफर करते हैं। ऐसे में सिर्फ आपको ही अंदरूनी थकान नहीं होती है, बल्कि आपकी स्किन भी कहीं ना कहीं ये सब झेलती है। ट्रैवल की वजह से स्किन पर धूप, धूल, पसीना और पॉल्यूशन का असर पड़ता है। लेकिन हमें अहसास तक नहीं होता है और स्किन बैरियर धीरे-धीरे कमजोर होने लगता है।

अमूमन हम स्किन की टैनिंग या डलनेस को ट्रैवल से जोड़कर देखते हैं। लेकिन इसका प्रभाव सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं होता है, बल्कि इससे पिंपल्स से लेकर अनइवन स्किन टोन और स्किन एजिंग की समस्याएं भी बढ़ सकती हैं। इसलिए, यह बेहद जरूरी है कि आप अपनी स्किन का बेहतर तरीके से ख्याल रखें। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही स्किन केयर टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें ट्रैवल करने वाली महिलाओं को जरूर फॉलो करने चाहिए-

हर दिन लगाएं सनस्क्रीन

अक्सर हम सभी सिर्फ तेज धूप में ही सनस्क्रीन लगाकर बाहर निकलती हैं,



लेकिन प्रदूषण और सूरज की किरणें हर दिन त्वचा को नुकसान पहुंचाती हैं। इसलिए, अगर आप ज्यादा देर तक बाहर रहती हैं, तो 2-3 घंटे में दोबारा सनस्क्रीन लगाएं।

हैवी मेकअप को करें अवॉयड

अगर जरूरी ना हो तो आप हैवी मेकअप को अवॉयड करें। हर रोज सफर

करते हुए हैवी मेकअप स्किन को सांस नहीं लेने देता। ऐसे में आप हल्की क्रीम या बीबी क्रीम लगा सकती हैं। साथ ही, आंखों और होंठों पर हल्का मेकअप रखें। आपको शायद पता ना हो, लेकिन कम मेकअप से मुंहसे भी कम होते हैं।

चेहरे को बार-बार छुने से बचें

बस, मेट्रो और ऑफिस में कई तरह के कीटाणु होते हैं और ऐसे में अपनी स्किन का ख्याल रखने के लिए यह जरूरी है कि

आप चेहरे को बार-बार ना छुएं। गंदे हाथों से चेहरा छूने से मुंहसे और जलन बढ़ सकती है। अगर आपको चेहरे पर खुजली का अहसास हो तो ऐसे में हाथों की जगह साफ रुमाल का इस्तेमाल करें।

खूब पीएं पानी

सफर करते हुए अक्सर हम सभी पानी पीना भूल जाते हैं। लेकिन दिन में कम से कम 8-10 गिलास पानी पिएं। आप सादा पानी पी सकती हैं। इसके अलावा नारियल पानी का सेवन भी किया जा सकता है। पर्याप्त पानी पीने से आपकी स्किन साफ और ग्लोइंग नजर आती है।

अपने वार्डरोब में शामिल करें ये नियोन हील्स, मिलेगा ग्लैमरस और स्टाइलिश लुक

नियोन हील्स के साथ अपने फैशन स्टेटमेंट को एक नया आयाम दें और आकर्षक दिखें। इस गाइड में जानें कि कैसे विभिन्न प्रकार की हील्स जैसे नियोन पेंसिल हील्स और वेजेज को चुनते समय डिजाइन और आराम का ध्यान रखें और उन्हें अपने आउटफिट के साथ परफेक्टली मैच करें।

हर लड़की को खूबसूरत और आकर्षक दिखना काफी पसंद होता है। हमेशा में ऐसे डिजाइन के आउटफिट को स्टाइल करते हैं, जो काफी ट्रेंडी हो। तो फिर हील्स की बात आती है, इन्हें भी ट्रेंड के अनुसार ही खरीदें। अपनी आउटफिट के साथ आप अलग तरह के डिजाइन वाली हील्स को स्टाइल कर सकती हैं। हील्स में आपको कई सारे तरह-तरह के डिजाइन ऑप्शन मिल जाएंगे। जिसको आप विचार कर सकते हैं। नियोन हील्स काफी अच्छी लगती है। बस आपको डिजाइन और कम्फर्टेबल हो इस बात का ध्यान रखें।

नियोन पेंसिल हील्स करें स्टाइल

यदि आप शॉर्ट ड्रेस या वन पीस पहन रही हैं, तो आप इसके साथ नियोन पेंसिल हील्स को स्टाइल कर सकती हैं। ताकि आपका लुक और भी आकर्षक दिखे, आप 2 से 5 इंच ऊंचाई वाली हील्स चुन सकती हैं। ध्यान रखें कि हील्स को अपने आउटफिट के साथ सही तरीके से स्टाइल किया जाए, ताकि आपका पूरा लुक संतुलित और खूबसूरत लगे। ऐसी हील्स आपको बाजार में आसानी से अलग-अलग डिजाइन और रंगों में मिल जाएंगी।

नियोन वेजेज हील्स करें स्टाइल

आप अपने आउटफिट के साथ नियोन वेजेज हील्स को आसानी से स्टाइल कर सकती हैं। ये हील्स न सिर्फ देखने में ट्रेंडी लगती हैं, बल्कि पहनने में भी काफी आरामदायक होती हैं। इनके जरिए आप अपने लुक में अलग और फ्रेश रंगों को शामिल कर सकती हैं। नियोन वेजेज हील्स लगभग हर तरह के आउटफिट के साथ अच्छी लगती हैं और आपके पूरे लुक को आकर्षक बना देती हैं। ऐसी हील्स आपको बाजार में आसानी से मिल जाएंगी।

टो कवर हील्स करें स्टाइल

अट्रैक्टिव दिखने के लिए आप अपनी आउटफिट के साथ टो कवर हील्स को स्टाइल कर सकते हैं। यह आपके लुक को बेहतरीन बना देंगी। आप इस हील्स में बेहद प्यारी नजर आएंगी। नियोन कलर की टो कवर हील्स को आप जींस या स्कर्ट के साथ वियर करेंगी, तो आप अच्छी नजर आएंगी। इसको आप सही साइज में लेना जरूरी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक में लिए गए निर्णय

कल्याणकारी योजनाओं सहित अन्य कार्यों के लिए 33 हजार 240 करोड़ रुपये की स्वीकृति

भोपाल (राघवकीर्ति)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में हुई। मंत्रि-परिषद ने कल्याणकारी योजनाओं सहित विभिन्न 7 विभागों की महत्वपूर्ण योजनाओं की आगामी 5 वर्षों तक निरंतरता के लिए लगभग 33 हजार 240 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी है। मंत्रि-परिषद ने मुख्यमंत्री यंग इंटरनर्स फॉर गुड-गवर्नेंस प्रोग्राम को भी मंजूरी दी है। सिंगरौली के चितरंगी में कनिष्ठ व्यवहार न्यायाधीश सहित कुल 7 नवीन पदों के सृजन की भी मंत्रि-परिषद द्वारा स्वीकृति दी है। मंत्रि-परिषद ने मैहर, कैमोर जिला कटनी और निमरानी जिला खरगोन में कर्मचारी राज्य बीमा निगम के 3 औषधालय खोलने सहित चिकित्सक और पैरामेडिकल स्टाफ के 51 पदों के सृजन को स्वीकृति दी गयी है।

मुख्यमंत्री यंग इंटरनर्स फॉर गुड-गवर्नेंस प्रोग्राम को 3 वर्ष क्रियान्वयन के लिए 190 करोड़ रुपये की स्वीकृति – मंत्रि-परिषद द्वारा ‘मुख्यमंत्री यंग इंटरनर्स फॉर गुड-गवर्नेंस प्रोग्राम’ को 3 वर्ष के लिए क्रियान्वयन के लिए लगभग 190 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गयी है। लोक सेवा प्रबंधन विभाग को अग्रिम कार्यवाही तथा प्रक्रिया निर्धारण कर नियमों एवं निर्देशों को जारी कर क्रियान्वयन के लिए अधिकृत किया गया है।

निःशक्त जन को वृत्तिकर से छूट की निरंतरता कीस्वीकृति – मंत्रि-परिषद द्वारा मध्यप्रदेश वृत्तिकर अधिनियम, 1995 के अंतर्गत निःशक्त जन को वृत्तिकर से छूट को 31 मार्च, 2030 तक निरंतर किये जाने की स्वीकृति दी गयी गई है।

7 जिलों के लिए ‘एक जिला-एक उत्पाद’ परियोजना का अनुमोदन – मंत्रि-परिषद द्वारा ‘एक जिला-एक उत्पाद’ परियोजना अंतर्गत चयनित 7 जिलों में पारंपरिक व विशिष्ट उत्पाद के संरक्षण, विकास और विपणन हेतु आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए आगामी 5 वर्षों में 37.50 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गयी है। इस परियोजना में चयनित 7 जिलों में



सीधी जिले में दरी एवं कारपेट, दतिया में गुड़, अशोकनगर में चंदेरी, हाथकरघा वस्त्र, भोपाल में जरी-जरदोजी एवं जूट उत्पाद (जैसे पर्स आदि), धार में बाग प्रिंट, सीहोर में लकड़ी के खिलौने तथा उज्जैन में बटिक प्रिंट में आगामी 5 वर्षों के लिए 37.50 करोड़ रुपये की डी.पी.आर. तैयार की गयी है। इस परियोजना से स्थानीय शिल्पकारों, बुनकरों और कारीगरों को प्रशिक्षण, डिजिटलीकरण, ब्रांडिंग, विपणन तथा बाजार उपलब्धता जैसी सुविधायें प्रदान की जाएगी। यह परियोजना प्रदेश में स्थानीय उद्यमिता को बढ़ावा, रोजगार सृजन एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सिंगरौली में कनिष्ठ व्यवहार न्यायाधीश सहित 7 पदों की स्वीकृति – मंत्रि-परिषद ने चितरंगी जिला सिंगरौली में व्यवहार न्यायालय की स्थापना के लिए व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड का एक

नवीन पद और उनके कार्यालयीन अमले के लिए तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के 6 नवीन पद सहित कुल 7 नवीन पदों का सृजन किये जाने की स्वीकृत प्रदान की है।

मैहर, कैमोर और निमरानी में 3 नये औषधालयों को मंजूरी – मंत्रि-परिषद ने भारत सरकार के कर्मचारी राज्य बीमा निगम (इएसआईसी) द्वारा मैहर (जिला-मैहर), कैमोर (जिला कटनी), तथा निमरानी (जिला खरगोन) में 3 नये औषधालयों को खोलने एवं चिकित्सक और पैरामेडिकल स्टाफ के 51 पदों का सृजन की स्वीकृति प्रदान की गयी है। मैहर, कैमोर तथा निमरानी में नये कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय खोलने एवं नये पद सृजित करने की स्वीकृति प्रदान की गयी है। इससे रजिस्टर्ड 15,686 श्रमिकों एवं उन पर आश्रित लगभग 62,744 परिवजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त होंगी।

रिवेम्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर

स्कीम के अंतर्गत केन्द्रांश पर देय एसजीएसटी की राशि वितरण कंपनियों को अंशपूजी के रूप में प्रदान करने की स्वीकृति – मंत्रि-परिषद् द्वारा निर्णय लिया गया कि रिवेम्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम के अंतर्गत वितरण अधोसंरचना के उन्नयन, यथा वितरण हॉलियों में कमी तथा वितरण प्रणाली सुदृढ़ीकरण एवं आधुनिकीकरण से संबंधित बुनियादी अधोसंरचना के निर्माण और विकास कार्यों के लिए प्राप्त केन्द्रांश पर देय एसजीएसटी की राशि राज्य की वितरण कंपनियों को राज्य शासन द्वारा अनुदान के स्थान पर अंशपूजी के रूप में उपलब्ध कराई जायेगी।स्कीम के अंतर्गत माह नवम्बर 2024 तक ऋण के रूप में प्रदत्त राशि 887 करोड़ 91 लाख रुपये को राज्य शासन द्वारा वितरण कंपनियों को अंशपूजी के रूप में प्रदान किए जाने का अनुमोदन किया गया। विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण व

विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति के उद्देश्य से वित्तीय रूप से साध्य व परिचालन में दक्ष वितरण क्षेत्र विकसित करने के लिए रिवेम्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम लागू की गई है। योजना अंतर्गत विद्युत अधोसंरचनात्मक कार्यों के लिए केन्द्र शासन द्वारा 60 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है एवं शेष 40 प्रतिशत राशि राज्य शासन द्वारा वितरण कंपनियों को अंशपूजी के रूप में प्रदान की जा रही है।

लोक वित्त पोषित कार्यक्रमों और योजनाओं की निरंतरता के लिए 63 करोड़ 76 लाख रुपये की स्वीकृति – मंत्रि-परिषद् द्वारा वित्त विभाग की लोक वित्त पोषित कार्यक्रमों, योजनाओं एवं परियोजनाओं के परीक्षण तथा प्रशासकीय अनुमोदन की प्रक्रिया के अंतर्गत 16 वें केन्द्रीय वित्त आयोग की अवधि (01 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक) के लिए निरंतरता के लिए कुल 63 करोड़ 76 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गयी है।

ग्रामीण, पिछड़े और खनिज क्षेत्रों में ग्रामीण अवसंरचना एवं पेयजल आपूर्ति के लिए 6090 करोड़ रुपये की स्वीकृति – मंत्रि-परिषद द्वारा खनिज साधन विभाग के अंतर्गत ‘खनिज अधिभार का रक्षित निधि में अंतर्ग’ योजना को वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक निरंतर रखे जाने के लिए 6090 करोड़ 12 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गयी है। यह योजना खनिज साधन विभाग के अंतर्गत पूर्व से संचालित योजना पूर्णतः राज्य वित्त पोषित एवं भारित व्यय से संबंधित योजना है। इस राशि का उपयोग ग्रामीण क्षेत्रों, पिछड़े क्षेत्रों, खनिज क्षेत्रों में ग्रामीण अवसंरचना, पेयजल आपूर्ति योजना तथा सड़क विकास कार्यक्रम के क्रियान्वयन के लिये किया जायेगा।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास की योजनाओं के सुचारु संचालन के लिये 7,127 करोड़ रुपये की स्वीकृति – मंत्रि परिषद

द्वारा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों की 31 मार्च 2031 तक निरंतरता एवं सुचारु संचालन के लिये 7,127 करोड़ 38 लाख रुपये की स्वीकृति दी गयी है। स्वीकृति अनुसार विभागीय परिसंपत्तियों का संधारण के लिए 16 करोड़ 78 लाख रुपये, महात्मा गांधी राज्य ग्रामीण विकास एवं पंचायतराज संस्थान मोप्रो जबलपुर में विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के सुचारु संचालन के लिये 12 करोड़ 50 लाख रुपये की स्वीकृति दी गयी है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना अंतर्गत शासकीय प्राथमिक, माध्यमिक शालाओं एवं बाल वाटिका तथा अनुदान प्राप्त शालाओं के कक्षा 01 से 08 तक दर्ज एवं उपस्थित बच्चों को पका हुआ भोजन उपलब्ध कराने से संबंधित विभिन्न योजनाओं/ कार्यक्रमों के सुचारु संचालन के लिए 7098 करोड़ रुपये की

स्वीकृति प्रदान की गयी है।

योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग की 10 योजनाओं के लिए 2,064 करोड़ 62 लाख रुपये की स्वीकृति – मंत्रि-परिषद् द्वारा योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय अंतर्गत संचालित 10 योजनाओं की 31 मार्च, 2031 तक निरंतरता के लिए 2,064 करोड़ 62 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गयी है। इसके अंतर्गत राज्य नीति आयोग के कार्य, प्रदेश में क्रियान्वित योजनाओं एवं परियोजनाओं की मॉनिटरिंग, सलाहकार सेवाएं, नवाचार, अनश्रवण एवं मूल्यांकन, सांसद स्वेच्छानुदान निधि से आर्थिक सहायता, बुन्देलखण्ड क्षेत्र विकास प्राधिकरण, महाकौशल विकास प्राधिकरण, विस्मय विकास प्राधिकरण, जनभागीदारी से क्रियान्वित जिला योजनाओं में शासन का अंशदान, जनअभियान परिषद् का गठन, राज्य सम्मेलन सर्वेक्षणआदि से संबंधित व्ययों की स्वीकृति प्रदान की गयी है।

अनुसूचित जनजाति क्षेत्र विकास और पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए 1,645 करोड़ रुपये की स्वीकृति – मंत्रि-परिषद द्वारा जनजातीय कार्य विभाग अंतर्गत और कार्यक्रमों की 31 मार्च 2031 तक निरंतरता एवं सुचारु संचालन के लिये 7,127 करोड़ 38 लाख रुपये की स्वीकृति दी गयी है। स्वीकृति अनुसार विभागीय परिसंपत्तियों का संधारण के लिए 16 करोड़ 78 लाख रुपये, महात्मा गांधी राज्य ग्रामीण विकास एवं पंचायतराज संस्थान मोप्रो जबलपुर में विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के सुचारु संचालन के लिये 12 करोड़ 50 लाख रुपये की स्वीकृति दी गयी है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना अंतर्गत शासकीय प्राथमिक, माध्यमिक शालाओं एवं बाल वाटिका तथा अनुदान प्राप्त शालाओं के कक्षा 01 से 08 तक दर्ज एवं उपस्थित बच्चों को पका हुआ भोजन उपलब्ध कराने से संबंधित विभिन्न योजनाओं/ कार्यक्रमों के सुचारु संचालन के लिए 7098 करोड़ रुपये की

सावित्रीबाई फुले का सपना ‘नारी बने शिक्षित, सुरक्षित और आत्मनिर्भर’

मुख्यमंत्री डॉ. यादव, महान शिक्षाविद सावित्रीबाई फुले के सपनों को कर रहे हैं साकार : मंत्री सुश्री भूरिया

भोपाल (राघवकीर्ति)। महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार महान समाजसंविका और देश की पहली महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले के महिलाओं की शिक्षा, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के सपने को पूरा करने का कार्य कर रही है। नारी सशक्तिकरण के लिये प्रदेश में अनेक योजनाएं संचालित की जा रही है। भारत के सामाजिक इतिहास में सावित्रीबाई फुले नाम महिला शिक्षा और सशक्तिकरण की पहली अग्रदूत के रूप में आदर के साथ लिया जाता है। वे देश की पहली महिला शिक्षिका थीं, जिन्होंने ऐसे समय में बालिकाओं की शिक्षा के लिए अलख जगाई, जब समाज में महिलाओं को पढ़ाने की कल्पना भी नहीं की जाती थी। सावित्रीबाई फुले ने कठिन परिस्थितियों का सामना करते हुए बेटियों को शिक्षा से जोड़ने का ऐतिहासिक कार्य किया और महिलाओं के सम्मान, अधिकार और समानता की नींव रखी।

भारत के सामाजिक इतिहास में चुनिंदा ऐसे महान व्यक्तित्व हुए हैं जिन्होंने अपने साहस, दूरदर्शिता और

समाज के प्रति समर्पण से देश को नई दिशा दी। ऐसी ही महिला सशक्तिकरण की अग्रदूत थीं सावित्री बाई फुले। उनकी पुण्यतिथि हमें पुण्य स्मरण कराती है कि महिलाओं को शिक्षा के साथ समानता के अधिकार और सम्मान के बिना समाज की वास्तविक प्रगति संभव नहीं है।

सावित्रीबाई फुले ने ऐसे समय में महिलाओं और बालिकाओं की शिक्षा के लिए संघर्ष किया, जब समाज में महिलाओं को शिक्षा से वंचित रखा जाता था। उन्होंने न केवल देश का पहला बालिका विद्यालय शुरू किया, बल्कि समाज में व्याप्त कुरीतियों और भेदभाव के खिलाफ भी आवाज बुलंद की। उनके प्रयासों ने महिलाओं को आत्मसम्मान, आत्मविश्वास और स्वावलंबन की राह दिखाई। आज उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। मध्यप्रदेश सरकार भी सावित्रीबाई फुले के आदर्शों से प्रेरणा लेते हुए महिलाओं और बालिकाओं के सर्वांगण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका उद्देश्य महिलाओं को सुरक्षित, शिक्षित, स्वस्थ और आत्मनिर्भर बनाना है।

प्रदेश में लाड़ली लक्ष्मी योजना के माध्यम से बालिकाओं के भविष्य को सुरक्षित बनाने का प्रयास किया जा सके। यह योजना बेटियों की शिक्षा और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए आर्थिक सुरक्षा प्रदान करती है। इसी प्रकार लाड़ली बहना योजना महिलाओं को आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में मजबूत आधार दे रही है, जिससे वे परिवार और समाज में अधिक आत्मनिर्भर बन सकें हैं। महिलाओं और बच्चों के पोषण को ध्यान में रखते हुए पोषण अभियान तथा आंगनवाड़ी सेवाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। प्रदेश के आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों के समुचित पोषण, प्रारंभिक शिक्षा और गर्भवती और शारी माताओं के स्वास्थ्य तथा बालिकाओं के समग्र विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। राज्य सरकार महिलाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं, जागरूकता अभियानों और त्वरित शिकायत निवारण तंत्र को सुदृढ़ कर रही है। स्व-सहायता समूहों और कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को रोजगार और स्व-रोजगार तथा उद्यमिता के

अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण सुनिश्चित किया जा सके। महान शिक्षाविद सावित्रीबाई फुले की पुण्यतिथि के अवसर पर हम उन्हें केवल स्मरण ही न करें, बल्कि उनके स्थापित आदर्शों को अपनाकर अन्य लोगों को भी प्रेरित करें। प्रत्येक बेटी को जब शिक्षा, सम्मान और अवसर मिलेगा, तभी एक समतामूलक और सशक्त समाज की निर्माण संभव होगा। राज्य सरकार का उद्देश्य केवल योजनाओं का क्रियान्वयन नहीं, बल्कि ऐसा वातावरण तैयार करना भी है, जहां महिलाएं आत्मविश्वास के साथ अपने सपनों को साकार कर सकें। शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और आर्थिक अवसरों के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। मंत्री सुश्री भूरिया ने सभी से अपील की है कि सावित्रीबाई फुले की पुण्यतिथि पर हम सभी यह संकल्प लें कि महिलाओं के अधिकारों, शिक्षा और सम्मान के लिए निरंतर प्रयास करते रहेंगे। यही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी और यही एक विकसित और सशक्त भारत की दिशा में हमारा महत्वपूर्ण कदम होगा।

भोपाल (राघवकीर्ति)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में आपूर्ति की कमी किसी प्रकार की कोई कठिनाई नहीं है। सरकार के पास पर्याप्त मात्रा में आपूर्ति संसाधन उपलब्ध हैं। किसी को भी खाद्य पदार्थों, गैस या तेल आपूर्ति के लिए परेशान या पैनिक होने की आवश्यकता नहीं है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे प्रदेश में बेहतर से बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार परिस्थितियों पर गहनता से नजर बनाए हुए हैं। केंद्र सरकार के मार्गदर्शन में देश के साथ मध्यप्रदेश में भी कहीं कोई आपूर्ति संबंधित दिक्कत नहीं है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगलवार को मंत्रालय में खाड़ी देशों में उपजी विषम परिस्थितियों के मद्देनजर मध्यप्रदेश में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व और देश के समक्ष उपजी परिस्थितियों और संभावित चुनौतियों से निपटने के लिए मध्यप्रदेश में बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि तीन सदस्यीय मंत्री और अधिकारियों की समिति प्रदेश की आपूर्ति व्यवस्था की निगरानी करेगी और आपूर्ति बहाल रखने के लिए सभी कदम उठाएगी।

भोपाल (राघवकीर्ति)। उच्च शिक्षा, तकनीकी एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने कहा कि भारत देश कभी गरीब नहीं था, बल्कि एक समृद्ध देश था। भारत को सोने की चिड़िया के नाम से जाना जाता था। भारत का ज्ञान सर्वश्रेष्ठ था और यहां का किसान आत्मविश्वासी और सामर्थ्यवान था। भारत का समाज, शिक्षित समाज था। भारत की संस्कृति और परंपराएं मजबूत थी। वैज्ञानिक भारतीय समाज की विशेषता थी। भारत की इसी समृद्धि के कारण ही विदेशी लुटेरे, मुगल और अंग्रेज भारत आए तथा समृद्ध भारत को हर स्तर पर लूटने का प्रयास किया। संस्कृति, परंपराओं, वेदों, शिक्षा केंद्रों, खेल परिसरों आदि को नष्ट करने के कार्य के साथ भारतीय समाज के अशिक्षित होने, रूढ़िवादी होने, अधविश्वासी होने का दुष्प्रचार भी किया। अब समय आ गया है जब हम भारत के महानतम ज्ञान एवं भारतीय समाज के बारे में भ्रांतियां को दूर करने के सशक्त उपाय करते हुए देश की स्वतंत्रता की 100वीं वर्षगांठ वर्ष-2047 तक भारत को, विकसित भारत के महानतम लक्ष्य के साथ भारतीय ज्ञान परंपरा के वैशिष्ट्य को

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस कार्यक्रम 2026 का किया शुभारंभ

भारत की समृद्ध ज्ञान परम्परा पर गर्व के साथ आगे बढ़ने की आवश्यकता : मंत्री श्री परमार



पूरी क्षमता से मनाए। मंत्री श्री परमार ने कहा भारतीय समाज की अवधारणा को समझने और पुनः स्मरण करने के लिए राष्ट्रीय विज्ञान दिवस एक उपयुक्त अवसर है कि जब हम वैज्ञानिक शोध करें और यदि हमें सामाजिक मान्यताओं में रूढ़िवाद, अंध विश्वास दिखे, तो हमें छोड़ना पड़ेगा।

हम युगानुक्रमित परिवर्तन के पक्षधर हैं। मंत्री श्री परमार ने सोमवार को महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में आयोजित 2 दिवसीय राष्ट्रीय विज्ञान दिवस कार्यक्रम 2026 का शुभारंभ कर संबोधित कर रहे थे। इसके पहले मंत्री श्री परमार ने एविएशन विंग का भ्रमण कर गतिविधियों की जानकारी प्राप्त

की। मंत्री श्री परमार ने उड़ान अकादमी के अधिकारियों से विचार विमर्श कर कार्यक्रम के प्रगति की जानकारी भी ली। कार्यक्रम में महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. आलोक चौबे, मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, भारत सरकार, नई दिल्ली के पूर्व अध्यक्ष प्रो. एस. पी. गौतम एवं अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा के कुलगुरु प्रो. राजेंद्र कुमार कुडरिया, अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा डॉ आर पी सिंह, पूर्व कुलगुरु प्रो भरत मिश्रा, पूर्व कुलगुरु प्रो कपिल देव मिश्रा सहित शिक्षकगण, शोधार्थी, विद्यार्थी एवं विभिन्न संस्थानों से आए प्रतिभागी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

अभिषेक किया।

मुख्यमंत्री ने भगवान ममलेश्वर से प्रदेशवासियों के लिए सुख-समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री और पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल, दादा गुरुजी के साथ

ओंकारेश्वर के गजानन आश्रम से नर्मदा जल का कलश लेकर पदयात्रा करते हुए ममलेश्वर मंदिर पहुंचे। इस अवसर पर मांधाता क्षेत्र के विधायक नारायण पटेल सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और श्रद्धालु मौजूद रहे।



मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ममलेश्वर में जलाभिषेक एवं पूजन किया

भोपाल (राघवकीर्ति)। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने सोमवार को चित्रकूट प्रवास के दौरान पवित्र पंचवटी घाट पर माँ मंदाकिनी नदी के स्वच्छता अभियान में भाग लेकर श्रमदान किया।

मंत्री श्री परमार ने स्वयं घाट

परिसर में सफाई करते हुए लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया।

मंत्री श्री परमार ने कहा कि चित्रकूट धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण स्थल है। यहाँ बहने वाली माँ मंदाकिनी नदी करोड़ों

श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है, इसलिए इसकी स्वच्छता बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

मंत्री श्री परमार ने कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी अभियान नहीं बल्कि जनभागीदारी से सफल होने वाला जनआंदोलन है।

भोपाल (राघवकीर्ति)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दादा गुरु जी की चौथी ‘नर्मदा सेवा परिक्रमा’ के सम्पन्न अवसर पर मंगलवार को खंडवा जिले के ऑंकारेश्वर स्थित ममलेश्वर मंदिर में विधिवत पूजा अर्चना कर मां नर्मदा के जल से

1093 महिलाओं की हुई जांच, 361 महिलाएं निकलीं हाईरिस्क गर्भवती

जिले के सरकारी अस्पतालों में लगातार दो दिन लगीं एचआरपी क्लीनिक

हाईरिस्क गर्भवती माताओं का रखा जायेगा विशेष ध्यान

ज्वालियर (राघवकीर्ति)। ज्वालियर जिले के 31 सरकारी अस्पतालों में लगातार दो दिन यानि 9 व 10 मार्च को एचआरपी क्लीनिक लगाई गईं। इन एचआरपी क्लीनिक में 1093 गर्भवती माताओं की जांच की गई। इनमें से 361 महिलाओं को हाई रिस्क (अधिक जोखिम) गर्भवती माताओं के रूप में चिन्हित किया गया। इन महिलाओं को निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत दवाई व उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने चिन्हित हाई रिस्क गर्भवती माताओं का प्रसव होने तक लगातार फोलोअप कराने के निर्देश स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को दिए हैं।

ज्ञात हो प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत हर माह की 9 व 25 तारीख को चिन्हित स्वास्थ्य संस्थाओं में एचआरपी क्लीनिक लगाकर हाईरिस्क गर्भवती माताओं की जांच की जाती है। ज्वालियर जिले में राज्य शासन के दिशा-निर्देशों के तहत कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देशन में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर पर प्रभावी अंकुश लगाने के



उद्देश्य से सुव्यवस्थित ढंग से प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत हाईरिस्क गर्भवती माताओं के चिन्हंकन व जांच के साथ-साथ उन्हें जरूरी स्वास्थ्य सेवायें मुहैया कराई जा रही हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सचिन श्रीवास्तव से प्राप्त जानकारी के अनुसार 9 व 10 मार्च को लगाई गई एचआरपी क्लीनिक में गर्भवती महिलाओं की आवश्यकता के

अनुसार निःशुल्क सोनोग्राफी, हैमोग्लोबिन सहित खून की अन्य जांच और यूरिन की जांच की गई। जाँच में 361 महिलायें हाईरिस्क गर्भवती पाई गई हैं। इनमें से 7 महिलाओं को अस्पताल में भर्ती कराया गया। साथ ही 241 महिलाओं की अल्ट्रासोनोग्राफी जांच की गई। साथ ही 62 महिलाओं को आयरन सुक्रोज दिया गया। एचआरपी क्लीनिक में आई महिलाओं को फल और पोष्टिक आहार भी उपलब्ध

कराया गया।

इन संस्थाओं में लगाई गई एचआरपी क्लीनिक

जिले के जिन चिकित्सालयों में एचआरपी क्लीनिक लगाई गई, उनमें जिला चिकित्सालय मुरार, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र हस्तिनापुर, भितरवार, मोहना, डबरा व दीनदयालनगर शामिल हैं। इसके अलावा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र

उटीला, चीनौर, वीरपुर, आतरी, पिछेर व कुलैध, प्रसूति गृह माधौगंज व बिरलानगर, यूपीएचसी लक्ष्मीगंज, हुरावली, पंतनगर, ठाठीपुर, बहोड़पुर, निम्माजी की खो व सिविल हॉस्पिटल हजीरा , सिविल डिस्पेंसरी जनकगंज व सिविल अस्पताल हेमसिंह की परेड शामिल हैं एवं आदर्श मिल , सागर ताल, नाका चंद्रवनी, तुषि नगर, राजा की मंडी, मेहरा कालोनी व तुरारी पीएचई कालोनी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र शामिल हैं।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी आवेदकों की समस्याएं जनसुनवाई में 126 आवेदन प्राप्त



अशोक नगर (राघवकीर्ति)। मंगलवार को आयोजित जिला स्तरीय जनसुनवाई में कलेक्टर साकेत मालवीय ने कलेक्ट्रेट के जनसुनवाई कक्ष में आवेदकों की समस्याओं को समक्ष में सुनकर निराकरण के निर्देश मौके पर उपस्थित जिला अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में 126 आवेदन प्राप्त हुए। प्राप्त आवेदनों का समय सीमा में निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। साथ ही गूगलमीट से समस्त एसडीएम, सीईओ जनपद पंचायत, मुख्य नगर पालिका अधिकारी जुड़े रहे। जनसुनवाई में आये संबंधित तहसील एवं जनपदों के आवेदन निराकरण के निर्देश संबंधितों को निर्धारित समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिये गए। जनसुनवाई में ग्राम मनहारी निवासी अंकेश अहिरवार द्वारा संबल कार्ड बनवाये जाने, ग्राम हैदर निवासी अक्षय यादव द्वारा आयुष्मान कार्ड नाम में संशोधन

कराये जाने, ग्राम कैथन निवासी विकास कुशवाह द्वारा रास्ता दिलाये जाने, अशोकनगर निवासी राजेन्द्र चंदेल द्वारा प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत कराये जाने, ग्राम चिरोली निवासी राजोबाई आदिवासी द्वारा आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत कराये जाने, ग्राम रसूलपुर निवासी सरूपी बाई आदिवासी द्वारा फार्मर आईडी बनवाये जाने, ग्राम चिरोली निवासी निरन सिंह आदिवासी द्वारा पट्टा दिलाये जाने, ग्राम पीपलखेडा निवासी रामलाल अहिरवार द्वारा जमीन के रूपये दिलाये जाने, ग्राम खिरकाटाका निवासी कृष्णाबाई द्वारा भूमि डूब क्षेत्र में आने पर परिसंपत्ति का भुगतान कराये जाने, ग्रा यासी निवासी मधवा अहिरवार द्वारा बटवारा कराये जाने, ग्राम करछा निवासी रामकुमार रघुवंशी द्वारा कुआ खुदाई की अनुमति दिलाये जाने संबंधी समस्यामूलक आवेदन प्राप्त हुए। प्राप्त आवेदनों के निराकरण

समय सीमा में किये जाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को मौके पर दिए। जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राजेश जैन, अपर कलेक्टर डी. एन. सिंह, संयुक्त कलेक्टर ब्रजबिहारी लाल श्रीवास्तव, एसडीएम श्रीमती शुभता त्रिपाठी सहित जिला अधिकारी उपस्थित थे।

‘जल गंगा संवर्धन अभियान’ के लिए जिला स्तरीय समिति का गठन

दतिया (राघवकीर्ति)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार जिले में 30 मार्च 2025 से संचालित होने वाले ‘जल गंगा संवर्धन अभियान’ के सफल क्रियान्वयन के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दतिया अक्षय कुमार तेलुवाल द्वारा आदेश जारी कर जिला स्तरीय समिति का गठन किया है।

कलेक्टर श्री वानखड़े ने साक्षरता परीक्षा की तैयारियों के संबंध में ली बैठक

दतिया (राघवकीर्ति)। जिले में ‘उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम’ के अंतर्गत आयोजित होने वाली मूलभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक मूल्यांकन परीक्षा की तैयारियों को लेकर कलेक्टर स्वप्नल वानखड़े ने अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में पुलिस अधीक्षक सुरज कुमार वर्मा सहित शिक्षा विभाग और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में बताया गया कि जिले में यह परीक्षा 14 मार्च 2026 (शनिवार) को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित की जाएगी।



सुनिश्चित की जाए। जिले में इस परीक्षा के लिए कुल 740 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इनमें दतिया विकासखंड में 357, सेवदा में 232 और भांडेर में 151 केंद्र शामिल हैं। परीक्षा के लिए जिले का कुल लक्ष्य 40 हजार परीक्षार्थियों का रखा गया है। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि परीक्षा के दौरान सभी स्कूलों का स्टाफ उपस्थित रहेगा और परीक्षा संचालन

में पूर्ण सहयोग करेगा। परीक्षा के बाद परिणाम की ऑनलाइन एंट्री एनआईएलपी एमपीऐप और आरएसकेएमपी-ईन पोर्टल के माध्यम से की जाएगी। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि परिणाम से संबंधित सभी जानकारी समय पर दर्ज की जाए और किसी भी प्रकार की त्रुटि न हो। बैठक में यह भी बताया गया कि पिछली परीक्षा में

दतिया जिला पूरे मध्यप्रदेश में पांचवें स्थान पर रहा था, इस बार जिले को प्रथम स्थान दिलाने के लिए सभी अधिकारी और कर्मचारी समन्वय के साथ कार्य करें। कलेक्टर ने कहा कि परीक्षा प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता और अनुशासन के साथ संपन्न कराई जाए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

जिला स्तरीय ओलंपियाड प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को कलेक्टर ने किया सम्मानित

दतिया (राघवकीर्ति)। कलेक्टर स्वप्नल वानखड़े द्वारा आज न्यू कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में जिला स्तरीय ओलंपियाड प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री वानखड़े ने विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बच्चों ने शुरुआत बहुत अच्छी की है। ऐसे में माता-पिता और शिक्षकों की जिम्मेदारी है कि वे बच्चों को निरंतर प्रोत्साहित करें, ताकि उनकी प्रतिभा और आगे बढ़ सकें। उन्होंने कहा कि कई बार बचपन में होहार बच्चे परिस्थितियों के कारण आगे नहीं बढ़ पाते, ऐसे में एक शिक्षक की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है। शिक्षक ही बच्चों को सही दिशा दिखाकर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि जिला पंचायत के सीईओ को भी उनके शिक्षक ने प्रोत्साहित किया और सही मार्गदर्शन दिया, जिसके परिणामस्वरूप आज वे आईएसएस अधिकारी बने हैं। कलेक्टर श्री वानखड़े ने कहा कि बच्चे मिट्टी की तरह होते हैं, जिन्हें जैसा आकार दिया जाए वे वैसा ही रूप ले लेते हैं। इसलिए शिक्षकों को केवल शिक्षा ही नहीं देनी चाहिए, बल्कि बच्चों को बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने की दिशा भी दिखानी चाहिए। उन्होंने कहा कि आप सभी शिक्षकों ने बच्चों को अच्छी शिक्षा और मार्गदर्शन दिया है, इसके लिए प्रशंसा को आप पर गर्व है।

उत्पादक समूहों की उन्मुखीकरण सह प्रबंधन कार्यशाला आयोजित



गुना (राघवकीर्ति)। म.प्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, जिला गुना अंतर्गत कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत गुना अभिषेक दुबे के मार्गदर्शन में स्व सहायता समूह की महिलाओं को सामाजिक एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाने हेतु विभिन्न नवाचार एवं पहल की जा रही हैं। शासन स्तर से भी इन प्रयासों को निरंतर सहयोग एवं प्रोत्साहन प्रदान किया जा रहा है। इसी क्रम में आज जिला पंचायत सभा कक्ष, गुना में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत गुना की अध्यक्षता में स्व सहायता समूहों द्वारा गठित उत्पादक समूहों (Producer Groups) की उन्मुखीकरण सह प्रबंधन कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में जिले के सभी विकासखंडों के उत्पादक समूहों की दौदियों ने सहभागिता की।

जिला परियोजना प्रबंधक श्रीमती सोनू सुशीला यादव ने बताया कि उत्पादक समूहों के गठन का उद्देश्य स्व सहायता समूह के सदस्यों की कृषि उपज एवं कृषि आधारित उत्पादों को बेहतर विपणन अवसर उपलब्ध कराना है। उत्पादक समूहों के माध्यम से ग्राम स्तर पर कृषि उपज का एकत्रीकरण कर ग्रैंडिंग के पश्चात बड़े बाजारों में विक्रय किया जा रहा है, जिससे समूहों को बेहतर लाभ प्राप्त हो रहा है तथा लघु एवं सीमांत कृषकों की लागत में भी कमी आ रही है। साथ ही कुछ उत्पादों का प्रसंस्करण कर विपणन किए जाने से समूहों की आय में वृद्धि हो रही है। कार्यशाला में मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा उत्पादक समूह की दौदियों को मार्गदर्शन देते हुए कहा गया कि विकासखंडों में अधिक से अधिक उत्पादक समूहों को प्रोत्साहित किए जाने की आवश्यकता है,

जिससे भविष्य में इन्हें किसान उत्पादक कंपनी (FPO) से जोड़कर बेहतर व्यापारिक अवसर प्रदान किए जा सकें। उत्पादक समूह ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण एवं स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हो रहे हैं। इनके माध्यम से जहां एक ओर स्व सहायता समूह की महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं, वहीं दूसरी ओर ‘सशक्त महिला - सशक्त मध्यप्रदेश’ एवं ‘आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश’ की परिकल्पना को भी साकार रूप मिल रहा है। उक्त कार्यशाला में आजीविका मिशन के जिला प्रबंधक शैलेंद्र समुद्री युवा सलाहकार सुयश मसीह, व समस्त विकासखंड प्रबंधक प्रदीप पुरी गोस्वामी सत्येंद्र रघुवंशी नीलिमा विजयवर्गीय माखन सिंह कुशवाहा अजब सिंह लोधा व उत्पादक समूह के सदस्य उपस्थित रहें।

॥ जय गणेश ॥

'स्वतिनोऽस्त्वभयं नोऽस्तु'

ॐ

॥ राघवकीर्ति ॥

“हमारा एक परामर्श, संवारेगा आपका भविष्य”

विश्व प्रसिद्ध ज्योतिष से जानें आपका भविष्य

सटीक कुंडली विश्लेषण एवं आपकी समस्या निवारण के लिए अचूक उपाय, कालसर्प दोष, मंगल भात पूजा, श्रीमहामृत्युंजय मंत्र जप, रुद्राभिषेक, चौरासी महादेव पूजन अभिषेक, नव ग्रह शांति, सप्तशती पाठ, दुर्गा पाठ, दुर्गा हवन, मूल नक्षत्र शान्ति, वास्तु शान्ति एवं बिना तोड़-फोड़ वास्तु दोष निवारण के लिए प्राणप्रतिष्ठित श्रीयन्त्र सहित विभिन्न कामनाओं की पूर्ति हेतु मंगलकारी रत्नों के लिए विश्वसनीय

कुंडली बनवाने या किसी विशेष मनोकामना की पूर्ति के लिए रज/अनुष्ठान/दुर्गा पाठ, हवन, पुराण आदि के लिए संपर्क करें

आचार्य राघवकीर्ति गणेश

ज्योतिष, वास्तुविद्, तंत्र विशेषज्ञ और पुराण प्रवक्ता

प्रमुख महागणपति आध्यात्मिक मिशन

राष्ट्रीय संयोजक भगवन्नाम संकीर्तन मंडल (भस्म)

राष्ट्रीय अध्यक्ष गण सेना (फाउण्डेशन)

9755910000

(कृपया मैसेंजर से पूर्व समय लें)

www.jyotishvastu.com

WhatsApp : 9479319999

दक्षिणा के लिए PhonePe 8602110000 (Raghavkirti)

- उपलब्धता -

उज्जैन • इंदौर • मोपाल • बैंगलोर • चैन्नई • हैदराबाद • मुम्बई • नई दिल्ली • अहमदाबाद • जयपुर

गेहूं खरीदी केन्द्रों पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण, किसानों को समय सीमा में भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा : कलेक्टर

उज्जैन (राघवकीर्ति)। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने मंगलवार को प्रशासनिक संकुल भवन के सभाकक्ष में गेहूँ उपार्जन के अंतर्गत जिले के किसान संघ के सदस्यों के साथ बैठक की। बैठक में जिला आपूर्ति नियंत्रक श्रीमती शालु वर्मा, कृषि विभाग, सहकारिता, मालवा किसान प्रांत के मंत्री भारत सिंह बैस, किसान संघ के संभाग अध्यक्ष दशरथ पंड्या, उपाध्यक्ष उदय सिंह आंजना, बहादूर सिंह आंजना, कैलाश पाटीदार, ईश्वर सिंह, शिव शरण शर्मा उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने किसानों से चर्चा के दौरान कहा कि उपार्जन के अंतर्गत प्रशासन की ओर से सभी तैयारियां पूर्ण हो चुकी है। किसानों के पंजीयन का मंगलवार 10 मार्च को अंतिम दिन है। इसके पश्चात गेहूँ खरीदी प्रारंभ होगी। केन्द्रों पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली गई है। प्रशासन का प्रयास रहेगा कि किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

उज्जैन में किसानों की पंजीयन संख्या बहुत अधिक है। किसानों को समयसीमा में भुगतान किया जाएगा।



समस्त किसान अपने बैंक खाते में आधार नंबर और मोबाइल नंबर अपडेटेड रखें। ताकि भुगतान में कोई समस्या न हो। खरीदी के पश्चात भंडारण की प्रक्रिया सुरक्षित रूप से हो सके। इसके लिए किसानों द्वारा भी वेयर हाउस की सूची प्रेषित की जाए।

बारदाना जिस अनुपात में खरीदी हुई है उसी के अनुरूप सप्लाय करवाया जाए। किसानों के पंजीयन का आज अंतिम दिवस है। ऐसे किसान जिन्होंने अभी तक पंजीयन नहीं करवाया है वे मंगलवार को रात्रि 12 बजे तक अपने नजदीकी पंजीयन केन्द्रों पर जाकर अपना पंजीयन करवाएं। इसके अलावा एमपी आनलाईन, कियोस्क और सीएसई पर भी ऑनलाईन पंजीयन किया जा सकता है। बैठक में जिला आपूर्ति नियंत्रक श्रीमती शालु वर्मा ने जानकारी दी कि प्रतिदिन लगभग 10 हजार किसानों का पंजीयन हो रहा है। अब तक लगभग 1 लाख 19 हजार 74 किसानों का पंजीयन हो चुका है। खरीदी केन्द्रों पर सभी आवश्यक सुविधाएं किसानों को उपलब्ध कराई जा रही है।

आईडीएसपी कार्यक्रम के अंतर्गत आउटब्रेक रिसपांस के प्रभावी क्रियांवयन के लिए जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई

उज्जैन (राघवकीर्ति)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल के निर्देशन में 10 मार्च को आईडीएसपी कार्यक्रम के अंतर्गत जेएचपीआईजीओ के सहयोग से जिले के लैब टेक्नीशियन एवं स्टाफ नर्सों के लिए 'आउटब्रेक रिसपांस' के लिए जिला स्तरीय प्रशिक्षण' आयोजित किया गया।

इस प्रशिक्षण का उद्देश्य स्वास्थ्य संस्थानों में कार्यरत लैब टेक्नीशियन एवं स्टाफ नर्सों को रोग प्रकोप (आउटब्रेक) की शीघ्र पहचान, सैपल संग्रहण, सुरक्षित पैकिंग, रिपोर्टिंग एवं समय पर नियंत्रणात्मक कार्रवाई के संबंध में प्रशिक्षित किया गया है, ताकि संभावित संक्रमण या रोग प्रकोप की स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित की जा सके। प्रशिक्षण के दौरान डॉ. सुनीता परमार जिला स्वास्थ्य एवं महामारी नियंत्रण अधिकारी द्वारा रोग निगरानी



प्रणाली के महत्व पर प्रकाश डाला गया। डॉ. स्वाति खुल्लर (टेकिनकल लीड, लैब सिस्टम, जेएचपीआईजीओ) एवं डॉ. रोशनी दिलबागी (स्टेट प्रोग्राम मैनेजर, जेएचपीआईजीओ) द्वारा प्रयोगशाला प्रणाली सुदृढीकरण एवं IDSP कार्यक्रम के अंतर्गत समन्वित कार्यवाही के बारे में मार्गदर्शन दिया

गया। डॉ. आदित्य माथुर (ईपीडेमियोलॉजिस्ट) द्वारा प्रतिभागियों को आउटब्रेक इन्वेस्टिगेशन की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई। इमरान खान (माइक्रोबायोलॉजिस्ट) एवं डॉ. कुलदीप सिंह राठौर (माइक्रोबायोलॉजिस्ट) द्वारा सैपल कलेक्शन, पैकिंग एवं सुरक्षित परिवहन की प्रक्रिया का विस्तृत

प्रशिक्षण दिया गया। अभय सिंह गौर (डाटा मैनेजर) द्वारा रोग निगरानी से संबंधित रिपोर्टिंग प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई, जबकि विनोद सोलंकी (जिला कन्सल्ट, जेएचपीआईजीओ) द्वारा कार्यक्रम के समन्वय में सहयोग प्रदान किया गया। इस प्रशिक्षण में जिले के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों से आए

लैब टेक्नीशियन एवं स्टाफ नर्सों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पटेल द्वारा बताया गया कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों से जिले की रोग निगरानी प्रणाली और अधिक सुदृढ होगी तथा संभावित रोग प्रकोपों पर समय रहते प्रभावी नियंत्रण किया जा सकेगा।

अवैध फ्लेक्स, होर्डिंग एवं अतिक्रमण को निगम द्वारा हटाने की कार्यवाही निरंतर जारी

उज्जैन (राघवकीर्ति)। नगर निगम अतिक्रमण रिमूवल गैंग द्वारा मंगलवार को शहर के प्रमुख चौराहों पर बिना अनुमति लगे हुए अवैध फ्लेक्स, होर्डिंग्स एवं अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही की गई। उक्त फ्लेक्स से शहर की छवि एवं सुंदरता भी धूमिल हो रही थी जिसके क्रम में निगम आयुक्त अभिराम मिश्रा के निर्देश पर अतिक्रमण रिमूवल गैंग द्वारा बड़े स्तर पर कार्यवाही करते हुए अवैध फ्लेक्स, होर्डिंग एवं अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई साथ ही शहर के सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, कॉमिंग संस्थानों, दुकानदारों को हिदायत दी गई कि प्रचार प्रसार के लिए शाहर की सुंदरता को धूमिल ना करें अन्यथा सख्ती से कार्यवाही की जाएगी।



कार्यवाही के अंतर्गत नगर निगम अतिक्रमण रिमूवल गैंग द्वारा लौटी स्कूल से नीलगंगा चौराहा, देवास रोड से ऋषि नगर पेट्रोल पंप होते हुए वेद नगर, दो तालाब तक खम्बों पर

लगे हुए फ्लेक्स होर्डिंग हटाए गए साथ ही देवास गेट बस स्टैंड से रेलवे स्टेशन होते हुए इंदौर गेट तक मुख्य मार्ग पर लगे अवैध हाथ डेले को हटाने की कार्यवाही की गई।

शासकीय डायलिसिस यूनिट से मोहनलाल को मिल रहा डायलिसिस का निथुलक लाभ

उज्जैन (राघवकीर्ति)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल ने बताया कि शहर की दुर्गा कॉलोनी निवासी 60 वर्षीय मोहनलाल पेशे से वाहन चालक है।

वे अक्सर बीमार रहा रहते थे। स्वास्थ्य में लगातार गिरावट के कारण जब मोहन लाल की जांच करवाई गई तो उनकी किडनी में खराबी होना पाया गया तथा तुरंत ही डायलिसिस की आवश्यकता बताई गई। मोहन लाल आर्थिक रूप से अत्यंत कमजोर है। पहले जब निजी अस्पताल में उनका डायलिसिस प्रारंभ किया गया तो सप्ताह में दो बार डायलिसिस की आवश्यकता पड़ने लगी जिसका खर्च 3 हजार से 4 हजार रूपए प्रति सप्ताह आने लगा।

31 मार्च तक आवेदन कर्ता अपने आवेदन नगर निगम मुख्यालय में जमा कर सकेंगे मुख्यमंत्री कन्या विवाह/ निकाह योजना अंतर्गत 19 अप्रैल अक्षय तृतीया के अवसर पर निगम द्वारा सामूहिक विवाह का आयोजन किया जाएगा

उज्जैन (राघवकीर्ति)। मुख्यमंत्री कन्या विवाह/ निकाह योजनांतर्गत दिनांक 19.04.2026 रविवार (अक्षय तृतीया) को होने वाले सामूहिक विवाह का आयोजन नगर पालिक निगम उज्जैन के द्वारा कराया जा रहा है, सामूहिक विवाह का आयोजन स्थल नगर पालिक निगम उज्जैन के प्रांगण में आयोजित होगा। आम नागरिकों से निवेदन है कि उक्त दिनांक को होने वाले सामूहिक विवाह में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होंवें, आवेदन नगर पालिक निगम उज्जैन के छत्रपति शिवाजी भवन, आगर रोड

कोयला फाटक उज्जैन से प्राप्त कर आवेदन जमा कराने की अंतिम दिनांक 31.03.2026 मंगलवार तक कार्यालयीन समय में कक्ष क्रमांक 214 नगर शहरी गरीबी उपशमन प्रकोष्ठ में जमा करावें

‘आवेदन के संलग्न दस्तावेज का विवरण’ ‘वर-वधु के दस्तावेज’

(1) वधू या वधू के परिवार के पास गरीबी रेखा का राशन कार्ड होना आवश्यक है। (2) वर-वधू के तीन-तीन रंगीन पासपोर्ट फोटो।

(3) दोनों के आधारकार्ड। (4) दोनों के मूल निवासी प्रमाण-पत्र। (5) वर-वधू की आयु सत्यापन हेतु अंक सूची/वोटर कार्ड/जन्म प्रमाण पत्र, मेडिकल बोर्ड द्वारा जारी आयु प्रमाण-पत्र (कोई एक)। (6) लड़की की बैंक पासबुक की प्रती। (7) वधू उज्जैन संभाग की निवासी हो। (8) दोनों के माता-पिता के आधार कार्ड। (9) शपथ पत्र वर-वधु दोनों के नोटरी सहित पूर्व में विवाह नहीं हुआ हों

(10) समग्र परिवार आई.डी. में वर-वधु दोनों के (आधारकार्ड, माता-पिता का नाम, पता, मोबाइल नम्बर दर्ज कराना अनिवार्य हैं) (ई केवायसी) (11) वर-वधु एवं अभिभावकों के मोबाइल नम्बर। (12) वर-वधु के अभिभावक के आय-प्रमाण पत्र, नोट= वधु नगर निगम सीमा क्षेत्र के बाहर की होने से संबंधित निकाय से आवेदन पर विवाह संबंधित प्रमाणिकरण एवं आयु से संबंधित (वधू) 18. 21 (वर) का प्रमाणीकरण कराना अनिवार्य होगा।

सुपेकर के नवें लघुकथा संग्रह का विमोचन आज

उज्जैन (राघवकीर्ति)। नगर के लघुकथाकार संतोष सुपेकर के नवें लघुकथा संग्रह अविश्वास चक्र का विमोचन बुधवार को दोपहर ढाई बजे सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन की हिन्दी अध्ययनशाला (वाग्देवी भवन) में होगा। जानकारी देते हुए साहित्यकार राजेन्द्र देवधरे दर्पण ने बताया कि लघुकथा विमर्श (अंतर्वस्तु, भाषा और शिल्प) पर केन्द्रित इस कार्यक्रम के अतिथि लघुकथा जगत के सुविख्यात हस्ताक्षर डॉ. अशोक भाटिया (कनकाल, हरियाणा), माधव नागाद (नाथद्वारा, राजस्थान), सूर्यकान्त नागर तथा डॉ. पुरुषोत्तम दुबे (इंदौर) होंगे। पुस्तक चर्चा ख्यात समालोचक डॉक्टर शैलेन्द्रकुमार शर्मा करेंगे।

उज्जैन (राघवकीर्ति)। सिंधी समाज के इष्टदेव भगवान झुलेलाल के प्राकट्य उत्सव 'चेटीचंड' के उपलक्ष्य में शहर में 15 से 22 मार्च तक आठ दिवसीय भव्य महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। 'सिंधु जागृत समाज' और 'सकल सिंधी समाज' द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस महोत्सव में धार्मिक, सामाजिक और मनोरंजक कार्यक्रमों की धूम रहेगी।

आयोजन को लेकर सिंधु जागृत समाज के वरिष्ठ समाजसेवी महेश परियानी और गोपाल बलवानी ने बताया कि महोत्सव का मुख्य आकर्षण 20 मार्च को निकलने वाली विशाल वाहन रैली और 22



मार्च को अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सूफी गायक जतिन उदासी की विशेष लाइव प्रस्तुति होगी।

महोत्सव का उल्लास 15 मार्च (रविवार) को सिंधी कॉलोनी रोड पर आयोजित एक विशेष कार्यक्रम से शुरू होगा। शाम 6 बजे से शुरू होने वाले इस कार्यक्रम में देश-विदेश में

अपनी कला का जादू बिखेर चुके प्रसिद्ध गायक मोहित लालवानी भजनों की प्रस्तुति देंगे। इसके अलावा, इसी दिन भारतीय सिंधु सभा महिला शाखा द्वारा ड्राइंग व सिंधी फूड प्रतियोगिता और पूज्य सिंधी भाई बंध पंचायत द्वारा होली मिलन एवं बहराणा साहिब का

आयोजन भी किया जाएगा।

चेटीचंड के दिन, 20 मार्च (शुक्रवार) को सुबह 9 बजे एक विशाल वाहन रैली निकाली जाएगी। यह रैली सिंधी कॉलोनी (पटेल कॉलोनी/गीता कॉलोनी झुलेलाल मंदिर) से शुरू होकर टावर चौक पहुंचेगी। वहां से हजारां की संख्या में समाजजन विभिन्न मार्गों से होते हुए इंदिरा नगर स्थित झुलेलाल गार्डन (खाक चौक) पहुंचेंगे। यहां इंदिरा नगर सिंधी समाज द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

इस भव्य रैली में विशेष रूप से प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री जया प्रदा और सिंधी समाज के अभिनेता

आफताब शिवदासानी शामिल होकर शोभा बढ़ाएंगे। समाजजनों को उम्मीद है कि इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी शामिल हो सकेंगे।

इस दौरान माधव नगर सिंधी समाज, पूज्य सख्खर पंचायत, श्री वरुण देव अखंड ज्योति मंदिर (गीता कॉलोनी), इंदिरा नगर सिंधी पंचायत, संतराम सिंधी कॉलोनी पंचायत और पूज्य जेकम आबाद पंचायत द्वारा शहर के अलग-अलग स्थानों पर बहराणा साहिब, ध्वजारोहण, भजन संध्या, समाजसेवियों का सम्मान और महाप्रसादी के भव्य आयोजन किए जाएंगे। महोत्सव का समापन समारोह 22 मार्च (रविवार) को

होटल अथर्व (जंतर-मंतर, चिंतामण रोड) में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय सिंधी गायक जतिन उदासी अपनी टीम के साथ सूफी गायन की प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम के बाद समाजजनों के लिए भोजन प्रसादी (भंडारा) की व्यवस्था रहेगी। आयोजन को सफल बनाने के लिए सिंधु जागृत समाज के अध्यक्ष प्रताप रोहरा, मुख्य संयोजक महेश परियानी, सचिव रमेश गंगवानी, कोषाध्यक्ष अजय रोहरा, सह-संयोजक गोपाल बलवानी, रमेश गजरानी, दीपक बेलानी, किशोर मुलानी और रमेश गजवानी सहित कई पदाधिकारी और समाजजन सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं।

जन स्वास्थ्य रैली निकाली

उज्जैन (राघवकीर्ति)। रेपको होम फाइनैस लिमिटेड शाखा उज्जैन एवं उज्जैन जिला साइकिल पोली एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज साइकिल पोली ग्राउंड से जन स्वास्थ्य रैली निकाली गई। रैली के मुख्य अतिथि उल्लास वैद्य उद्योग एवं वाणिज्य मंत्रालय भारत सरकार इकाई के वरिष्ठ सदस्य एवं हेडोफिसर संस्कृत न्यास उज्जैन के अध्यक्ष थे। उन्होंने जन स्वास्थ्य रैली के बारे में बताया कि स्वास्थ्य रैली शहर की बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचने के लिए एवं एचवीपी के टीकाकरण करवाने हेतु प्रोत्साहित करने निकाली जा रही है। विशेष अतिथि भारत कुमार जैन ब्रांच मैनेजर रेपको होम फाइनैस लिमिटेड उज्जैन एवं श्री दक्षिणामूर्ति मैनेजर रेपको होम फाइनैस लिमिटेड जॉन ऑपरेशन हेड थे।

मंत्रि-परिषद् की बैठक से पहले मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मंत्रीगण से चर्चा

रानी दुर्गावती अभयारण्य (नौरादेही) बनेगा चीतों का तीसरा घर : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भारतीय क्रिकेट टीम ने बढ़ाया देश का मान

इंदौर (राघवकीर्ति)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नौरादेही का रानी दुर्गावती अभयारण्य चीतों का तीसरा घर बनने जा रहा है। जल्द ही वहाँ भी चीते छोड़े जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि टी-20 क्रिकेट वर्ल्ड कप जीतकर भारतीय क्रिकेट टीम ने एक बार फिर सफलता का परचम लहराया है। खेलने वाले कुल 20 देश, 55 मैच और विजेता- भारत, यह आंकड़े बताते हैं कि भारतीय क्रिकेट टीम ने दुर्द-संकल्प, साहस और पराक्रम से यह उपलब्धि हासिल की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे खिलाड़ियों ने पूरे विश्व में देश का मान-सम्मान बढ़ाया है। मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश सरकार और पूरी मंत्रि-परिषद् की ओर से भारतीय क्रिकेट टीम को बधाई और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ.



यादव मंगलवार को मंत्रि-परिषद् की बैठक से पहले मंत्रीगण को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संघ लोक सेवा आयोग-2026 के हलिया घोषित रिजल्ट में मध्यप्रदेश के 2 हेलनहार अभ्यर्थियों द्वारा टॉप टेन अभ्यर्थियों की मेरिट लिस्ट में स्थान प्राप्त करने पर दोनों ही अभ्यर्थियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष प्रदेश के कई विद्यार्थियों का यूपीएससी की परीक्षा में आईएएस, आईपीएस, आईआरएस इत्यादि कई पदों पर चयन हुआ है। हमारे विद्यार्थी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में चयनित होकर प्रदेश का

नाम रौशन कर रहे हैं।

रानी दुर्गावती अभयारण्य (नौरादेही) में भी छोड़ेंगे चीते

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में चीते तेजी से फल-फूल रहे हैं। हाल ही में 5 नये शावकों की आमद से चीतों का परिवार और भी समृद्ध हुआ है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार करीब 2 महीने बाद रानी दुर्गावती अभयारण्य (नौरादेही) में भी चीते छोड़ने जा रही है। इससे मध्यप्रदेश में चीतों के 3 घर तैयार हो जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम मगर/बड़ियाल और कछुबू भी विभिन्न जल क्षेत्रों में मुक्त करेंगे, ताकि हमारी जैव सम्पदा और भी समृद्ध हो सके।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री को भारी मध्यप्रदेश की जल संघय पहल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रीगण

से कहा कि मध्यप्रदेश में जल संचयन के लिए चलाए गए जल गंगा संवर्धन अभियान की केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सीआर पाटिल द्वारा सराहना की गई है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री ने 5 मार्च को हुई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में कहा था कि मध्यप्रदेश सामुदायिक सहभागिता से जल संवर्धन और सतत् जल प्रबंधन देश के सामने श्रेष्ठ उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। मध्यप्रदेश में 250 से अधिक नदियां हैं। मध्यप्रदेश बांधों की संख्या के मामले में देश में दूसरे स्थान पर है। उन्होंने कहा था कि जल संचयन के प्रोत्साहन के लिए भारत सरकार भी जल इस दिशा में जनभागीदारी से ऐसा ही कदम बढ़ाने जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रीगण को बताया कि केंद्र से मिली सराहना हमारी जल संचय नीति की सफलता का प्रमाण है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के प्रथम चरण में 2.79 लाख से अधिक जल संग्रहण संरचनाओं का निर्माण कर महत्वपूर्ण

योगदान दिया गया। दूसरे चरण में भी मध्यप्रदेश में 72 हजार 647 जल संग्रहण संरचनाओं के निर्माण कार्य पूरे कर लिए गए हैं और 64 हजार 395 जल संरचना निर्माण कार्य फिलहाल प्रगति पर हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में इस साल 19 मार्च 2026 से जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रीगण से कहा कि वे भी अपने-अपने क्षेत्रों में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग के काम बढ़ाएं।

डिजिटल पंजीयन में मध्यप्रदेश ने रचा इतिहास

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में दस्तावेजों के डिजिटल पंजीयन का काम शुरू हो गया है। मध्यप्रदेश में प्रति वर्ष करीब 16 लाख से अधिक दस्तावेजों का पंजीयन किया जाता है। यह एक बड़ा काम है पर हम इसे समय-सीमा में ही पूरा करेंगे। उन्होंने बताया कि संपदा

2.0 प्रणाली से दस्तावेजों का पूर्णतः पेपरलेस ई-पंजीयन शुरू कर दिया है। यह व्यवस्था नागरिकों को त्वरित सेवाएं देने के साथ-साथ प्रशासन में पारदर्शिता और सुगमता सुनिश्चित करेगी। संपदा प्रणाली से ई-पंजीयन और ई-स्टाम्पिंग की सुविधा प्रदान कर पूरी प्रक्रिया को इलेक्ट्रॉनिक बनाया गया है। इस प्रणाली में कोई भी व्यक्ति कहीं से भी ई-स्टॉम्प तैयार कर सकता है। यह व्यवस्था लागू करने वाला मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य बन गया है।

गेहूँ उपार्जन 2026

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रीगण को बताया कि मध्यप्रदेश सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर गेहूँ उपार्जन पर 40 रुपए प्रति क्विंटल बोनस देने जा रही है। साथ ही दलहन उत्पादन को प्रोत्साहन के लिए उड़द की खरीद पर भी 600 रुपए प्रति क्विंटल बोनस देने जा रही है। उड़द की खरीद पर बोनस देने के

मामले में मध्यप्रदेश देश का ऐसा पहला राज्य बन गया है, जिसने यह कदम उठाया है। उन्होंने बताया कि गेहूँ उपार्जन के लिए पंजीयन की अवधि 10 मार्च 2026 रखी गई थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों को समय पर भुगतान की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

पचमढ़ी को बनाएंगे बेस्ट इन्वायरमेंटल मॉडल

मुख्यमंत्री ने बताया कि पचमढ़ी को जर्मनी की एक अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण संस्था द्वारा ग्रीन डेस्टिनेशन के रूप में प्रमाणित किया गया है। यह मध्यप्रदेश में पर्यटन क्षेत्र के विकास के लिए हो रहे प्रयासों का प्रतिफल है। उन्होंने कहा कि पचमढ़ी देश का ऐसा पहला स्थल है, जिसे इस तरह का प्रमाणन मिला है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम पचमढ़ी को देश के अनुकरणीय और बेस्ट इन्वायरमेंटल मॉडल के रूप में विकसित करेंगे।

खाड़ी देशों में वर्तमान स्थिति के मद्देनजर हेलपलाइन/कंट्रोल रूम स्थापित

मिडिल ईस्ट (खाड़ी देशों) में उपजी विषम परिस्थितियों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि खाड़ी देशों में रह रहे मध्यप्रदेश के निवासियों की सहायता के लिए मध्यप्रदेश भवन नई दिल्ली में एवं भोपाल के वल्लभ भवन (मंत्रालय) में 24x7 हेलपलाइन/कंट्रोल रूम की स्थापना कर दी गई है। मध्यप्रदेश के निवासी जो खाड़ी देशों में अध्ययन, नौकरी, व्यवसाय, पर्यटन, इत्यादि के लिए गए मध्यप्रदेश के निवासी वर्तमान परिस्थितियों में किसी प्रकार की सहायता की अपेक्षा करते हों तो वे कंट्रोल रूम से संपर्क कर सकते हैं। मध्यप्रदेश के लोगों की सकुशल स्वदेश वापसी सुनिश्चित करने के लिए हम सभी कदम उठा रहे हैं। उन्होंने बताया कि अब तक हजारों लोगों की सकुशल स्वदेश वापसी हो चुकी है।

महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

स्वस्थ नारी से ही समृद्ध होगा देश - महिला सशक्तिकरण की गूंज के साथ हुआ सम्मान समारोह



इंदौर (राघवकीर्ति)। इंदौर के महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय (स्कुड) में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक अत्यंत गरिमायुगी और भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समाज और चिकित्सा क्षेत्र में महिलाओं के अमूल्य योगदान को सराहने के उद्देश्य से आयोजित इस वर्ष के कार्यक्रम का मुख्य विषय 'सशक्त नारी, सशक्त देश स्वस्थ नारी, समृद्ध देश' रखा गया था। कार्यक्रम में वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि एक स्वस्थ महिला ही एक स्वस्थ और विकसित राष्ट्र की नींव रख सकती है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्रीमती यांगचेन भूटिया शामिल हुईं। अपने प्रेरणादायक और ओजस्वी

संबोधन में उन्होंने समाज में महिलाओं की अपरिहार्य भूमिका और सुरक्षा पर प्रकाश डाला। श्रीमती भूटिया ने कहा, 'नारी के बिना सृष्टि और समाज की कल्पना भी असंभव है। आज की महिला हर मोर्चे पर उभर खड़ी है, लेकिन उनका स्वास्थ्य और सशक्तिकरण ही विकसित भारत की असली पहचान है। हमें महिलाओं के लिए एक ऐसा सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण तैयार करना होगा, जहाँ वे अपनी पूरी क्षमता के साथ देश के विकास में भागीदार बन सकें।

इस अवसर पर चिकित्सा, सुरक्षा और अध्यात्म के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिष्ठित महिला विभूतियां उपस्थित थीं। अतिथियों ने महिला स्वास्थ्य, जागरूकता और

आत्मनिर्भरता पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम में सीनियर कमांडेंट सीमा सुश्रा बल डॉ. मिता, डॉ. अमित जुल्का, ब्रह्मकुमारी हेमलता, डॉ. प्रीति जैन, डॉ. सुमित्रा यादव, डॉ. केशवली शर्मा, डॉ. परिधि शिवदे, डॉ. संगीता पानेरी, डॉ. साधना सोडानी विशेष रूप से मौजूद थीं।

कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन में विभाग की नारी शक्तियां डॉ. अमृता त्रिपाठी, डॉ. खुशबू लिखार, डॉ. निधि शर्मा, श्रीमती कविता शाह, श्रीमती अफसाना खान, श्रीमती गुरमीत कौर, श्रीमती संगीता जोशी, श्रीमती अनुराधा गुप्ता एवं चिकित्सालय की कुशल वक्ता श्रीमती निकिता यादव, प्रभारी डायलिसिस यूनिट का विशेष सहयोग रहा।

कार्यक्रम संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक एमवाय चिकित्सालय डॉ. अशोक यादव के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम को सुव्यवस्थित रूप देने और इसके सफल संचालन में एमजीएम मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों विशेषकर डॉ. नरेन्द्र वर्मा, डॉ. रामू ठाकुर और डॉ. सचिन शर्मा का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम आ समापन एक भावपूर्ण सम्मान समारोह के साथ हुआ। कोरोना काल से लेकर आज तक चिकित्सालय में अपनी सेवाएं देने वाली महिला डॉक्टर, नर्सों और अन्य महिला स्वास्थ्य कर्मियों को उनके उत्कृष्ट सेवा कार्य, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठ के लिए प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया।

संवाददाता नियुक्त करना है

प्रदेश के समस्त पंचायत स्तर पर संवाददाता/ विज्ञापन प्रतिनिधि नियुक्त करना है।

सम्पर्क

94793 19999

दैनिक राघवकीर्ति

हर पृष्ठ हमें तरफ चौकस निगाहें-ताज़ातरीन खबरें

MPHIN/2007/22188

www.raghavkirti.news

WhatsApp 9755910000

राघवकीर्ति

हर पृष्ठ हमें तरफ चौकस निगाहें-ताज़ातरीन खबरें

MPHIN/2007/22188

www.raghavkirti.news

WhatsApp 9755910000



स्वामी, प्रकाशक श्रीमती मोहिनी उपाध्याय द्वारा मां शारदा प्रिंटर्स 28, कुम्हार पुरा, चर्च रोड, जिंसी चौराहा, जहंगीराबाद, भोपाल मध्य प्रदेश 462008 से मुद्रित कर 25, F.G, Sch 54, यश एवेन्यू, डीडीयू नगर, इन्दौर मध्य प्रदेश 452010 से प्रकाशित।
मुद्रक धर्मेश सिंह, संपादक राघवकीर्ति उपाध्याय (सभी समाचारों के लिए पी आर बी एक्ट के तहत जिम्मेदार) सभी न्यायिक मामलों का न्याय क्षेत्र जिला न्यायालय इन्दौर रहेगा। मोबा. नं. 9755910000 email- raghavkirti@gmail.com RNI No. MPHIN/2007/22188
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने हैं तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्रोतों से प्राप्त किए गए हैं, अतः इनसे प्रकाशक, सम्पादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। -सम्पादक